राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15

अंक : 94

पृष्ठ : 08

गौतमबुद्धनगर

बुधवार 04 मार्च 2026

मूल्य :2 /-

RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट | पेज 3 नोएडा में त्यौहार के मद्देनजर पुलिस ने किया फ्लैग मार्च | पेज 4 पीलीभीत में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को मिली गति | पेज 6 मध्य पूर्व संकट: 'बहुत शुक्रगुजार हूं', भारतीय बैडमिंटन स्टार

संक्षिप्त खबरें

एक्स मुस्लिम को चाकू मारने वाले दूसरे भाई का एनकाउंटर

गाजियाबाद। गाजियाबाद के एक्स मुस्लिम यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर जानलेवा हमले का दूसरा आरोपी गुलफाम भी एनकाउंटर में ढेर हो गया। एनकाउंटर इंदिरापुरम इलाके में हुआ। एडिशनल डीसीपी क्राइम पीयूष सिंह और स्वाट टीम ने गुलफाम को ढेर किया। गुलफाम मुख्य आरोपी जीशान का बड़ा भाई था। पिछले 48 घंटे में दोनों सगे भाइयों को पुलिस ने ढेर कर दिया। दरअसल, गाजियाबाद में 27 फरवरी की सुबह दोनों भाइयों ने मिलकर यूट्यूबर सलीम वास्तिक को 14 चाकू मारे थे। सलीम की हालत अभी भी सीरियस है। वह दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में जिंदगी-मौत के बीच जूझ रहे हैं।

तिरुप्परंकुंद्रम पहाड़ी पर प्रतीकात्मक प्रार्थना की मिली अनुमति

नई दिल्ली। मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै पीठ ने प्रशासन को सुझाव दिया कि वह कोर्ट की ओर से नामित पांच व्यक्तियों को तिरुप्परंकुंद्रम पहाड़ी के पत्थर के खंभे के पास 15 मिनट के लिए बिना दीपक जलाए प्रतीकात्मक प्रार्थना करने की अनुमति दे। कार्तिगाई दीपम को दीपथून पर जलाने के संबंध में पहले के आदेश का पालन नहीं करने के लिए दायर अवमानना याचिका की सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि यदि सरकार कोर्ट के पूर्व आदेशों का सम्मान करना चाहती है, तो प्रतीकात्मक प्रार्थनाओं की अनुमति दी जा सकती है।

दावा- भारत के पास सिर्फ 25 दिन का तेल बचा

इजराइल-ईरान जंग के बीच इम्पोर्ट रूट बंद; सरकार नए सप्लायर्स तलाश रही

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान-इजराइल युद्ध के बीच दावा किया जा रहा है कि भारत के पास अब सिर्फ 25 दिनों का क्रूड ऑयल यानी कच्चा तेल और रिफाइंड ऑयल का स्टॉक बचा है।

न्यूज एजेंसी ने देश की एनर्जी सिक्योरिटी को लेकर यह अपडेट सरकारी सूत्रों के मुताबिक दिया है।

हालांकि सरकार अभी पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाएगी।

दरअसल, ईरान ने स्ट्रैट ऑफ होर्मुज को बंद करने का ऐलान कर दिया है। साथ ही ईरान की सेना ने चेतावनी दी है कि इस रूट से अगर कोई भी जहाज गुजरता है, तो उसे आग लगा दी जाएगी। ओमान और ईरान के बीच स्थित यह रूट दुनिया के ऑयल बिजनेस के लिए सबसे जरूरी माना जाता है।

होर्मुज रूट के बंद होने से दुनिया के कई देशों की तेल सप्लाई पर प्रभाव पड़ेगा, जिसमें भारत समेत एशियाई देशों पर सबसे ज्यादा असर होगा।

इस रूट के बंद होने कारण ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें भी 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकती हैं। अभी ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 5.58 प्रतिशत बढ़कर 80.41 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गई है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का अभी कोई प्लान नहीं

आम जनता के लिए राहत की बात यह है कि भारत सरकार का फिलहाल पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, इंटरनेशनल मार्केट में उतार-चढ़ाव के बावजूद घरेलू स्तर पर कीमतों को स्थिर रखने की कोशिश की जा रही है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा है कि देश में प्रमुख पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की अवेलेबिलिटी और किफायती दाम तय करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

होली उत्सव

राजस्थान के जयपुर में होली के त्योहार के लिए राजस्थान पर्यटन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान लोगों को 'गुलाल' से रंगा गया।

मशहद में दफनाए जाएंगे खामेनेई, दिन-तारीख तय नहीं

सुप्रीम लीडर का ऐलान अगले हफ्ते संभव; इजराइल का दावा- 4 दिन में ईरान के 300 मिसाइल लॉन्चर नष्ट

तेल अवीव/तेहरान। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को मशहद में दफनाया जाएगा। हालांकि दिन-तारीख तय नहीं है।

ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी फार्स के मुताबिक खामेनेई को इमाम रजा (अलैहिस्सलाम) की दरगाह के पास सुपुर्द खाक किया जाएगा। खामेनेई का जन्म भी मशहद में ही 1939 में हुआ था।

ईरान के अगले सुप्रीम लीडर का ऐलान खामेनेई को दफनाने के बाद ही किया जाएगा। मंगलवार को खबर आई थी कि कोम में असेंबली ऑफ

एक्सपर्ट्स ने सुप्रीम लीडर के चुनाव के लिए वोटिंग की है।

असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स में 88 सदस्य होते हैं, जो देश के सुप्रीम लीडर को चुनते हैं।

दरअसल, 28 फरवरी को यूएस-इजराइल के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी। तब से पद खाली है।

हालांकि ईरानी अपोजिशन से जुड़े ईरान इंटरनेशनल का दावा है कि असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स ने इज़राइल के दबाव में खामेनेई के बेटे मोजतबा को अगला सुप्रीम लीडर चुन लिया है।

इधर, इजराइल की सेना ने दावा किया है शनिवार से अबतक इज़राइली हवाई हमलों में 300 से ज्यादा ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चर नष्ट कर दिए हैं।

जंग में ईरान का नुकसान...

4 दिन में 787 लोगों की मौत हो चुकी है।

153 शहरों को निशाना बनाया गया।

कुल 504 जगहों पर 1,039 हमले हुए।

यह जानकारी ईरानियन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने दी है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज चलाएंगे 'मामा कोचिंग'

भोपाल। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान विदिशा, रायसेन और सीहोर जिले के भैरूंदा में मामा कोचिंग शुरू करेंगे। जहां विदिशा संसदीय क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की फ्री कोचिंग मिलेगी। इसमें मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं शामिल हैं। दरअसल, शिवराज 5 मार्च को अपने 66वें जन्मदिन पर 5 संकल्प लेने जा रहे हैं। ये पर्यावरण, सेवा, सहायता, शिक्षा और प्रतिभा प्रोत्साहन से जुड़े हैं। शिक्षा से जुड़े प्रण के तहत मामा कोचिंग में कंपटीटिव एग्जाम की तैयारी कराई जाएगी। कोचिंग ऑनलाइन भी होगी ताकि जो छात्र सेंटर तक नहीं आ पा रहे हैं, वे अपने घर पर रहकर इसका फायदा ले सकें। विदिशा, रायसेन और भैरूंदा में 100-100 स्टूडेंट्स का पहला बैच जल्द शुरू होगा। इसके लिए 5 मार्च से फार्म भरे जाएंगे।

होली मनाने जा रहे पति-पत्नी समेत 6 की मौत

यमुना एक्सप्रेस-वे पर बस-कार की टक्कर, उछलकर 10 फीट दूर गिरी गाड़ी

हाथरस। यूपी के हाथरस में यमुना एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार तड़के डबल डेकर बस ने चलती ईको वैन को पीछे टक्कर मार दी। हादसे में पति-पत्नी समेत 6 लोगों की मौत हो गई, 7 लोग घायल हो गए। मृतकों में 3 आगरा और 3 राजस्थान के धौलपुर के रहने वाले थे। होली के लिए घर जा रहे थे।

बस दिल्ली से गोरखपुर, जबकि वैन दिल्ली से धौलपुर जा रही थी। ओवरटेक करने की कोशिश करते वक्त टक्कर हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन उछलकर 10 फीट दूर गिरी। उसका पिछला हिस्सा चकनाचूर हो गया। गनीमत रही कि बस सवार यात्रियों को चोट नहीं आई।

हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। सड़क पर लाशें बिछ गईं। एक्सप्रेस-वे पर जाम लग गया। सूचना मिलते ही पुलिस अफसर पहुंचे। घायलों को तत्काल खंदौली सीएचसी भिजवाया। जहां से तीन को आगरा रेफर कर दिया। हादसा सादाबाद

कोतवाली क्षेत्र में हुआ।

अब सिलसिलेवार तरीके से पूरा मामला समझ लीजिए

ईको वैन से राजस्थान के राजाखेड़ा जा रहे थे 13 लोग हाथरस में यमुना एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 141 पर निजी डबल डेकर बस गोरखपुर की तरफ जा रही थी। बस के आगे ईको वैन चल रही थी। वैन में 13 लोग सवार थे।

सभी होली के त्योहार के लिए अपने-अपने घर जा रहे थे। तड़के 4.15 बजे तेज रफ्तार बस ने वैन को ओवरटेक करने की कोशिश की और बेकाबू होकर वैन को पीछे से टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान विजय (27) पुत्र सुखराम बघेल, पत्नी पिंकी (26) निवासी सुडरई थाना शमशाबाद (आगरा) और नाथू देवी (35) पत्नी अमर सिंह निवासी रोई खास थाना शमशाबाद (आगरा) के रूप में हुई।

हादसे में दिनेश (55) पुत्र हुकम सिंह, पत्नी सुनीता (51) निवासी गंगोलियापुर थाना राजाखेड़ा, धौलपुर (राजस्थान) और लोकेश (35) पुत्र भूरी सिंह निवासी चमोली घर थाना राजाखेड़ा धौलपुर (राजस्थान) की भी मौत हो गई।

घायलों में चार बच्चे भी शामिल

हादसे में इको चालक वीरेंद्र पुत्र रामप्रकाश भी घायल है। इसके अलावा राजाखेड़ा के ही मनोज पुत्र सुरेश, आर्यन (8)-अंशु (6) पुत्र अजय, मृतक विजय का बेटा लक्ष्य (1), बेटी प्राची (3) और उनकी साली पूनम बघेल (15) घायल हैं।

हैप्पी मॉर्निंग

पप्पू- यार होली आ गई है।
गप्पू-हां यार सही बोला
पप्पू- होली पर एक आवश्यक सूचना है
गप्पू- क्या?
पप्पू- होली में इतने भी पुराने कपड़े मत पहन लेना..
कि जिससे कोई तुम्हें रोटी हाथ में थमाकर चला जाए

शायरी

मौसम-ए-होली है दिन आए हैं
रंग और राग के
हम से तुम कुछ माँगने आओ
बहाने फाग के

अर्थसार

संसेक्स:
80,238.85
-1,048.34 (1.29%)
निफ्टी:
24,865.70
-312.95

मौसम

अधिकतम	:	33 डिग्री से0
न्यूनतम	:	16 डिग्री से0
सूयोदय गुरुवार	:	6 : 56
सूर्यास्त बुधवार	:	6 : 25

एमपी-राजस्थान में गर्मी का असर तेज

कई जिलों में पारा 35 के पार; हिमाचल के 4 शहरों में तापमान 30 हुआ

भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादून। देशभर में मौसम दो अलग-अलग रंग दिखा रहा है। पहाड़ी राज्यों में जहां एक बार फिर बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के आसार बन रहे हैं, वहीं मध्य और उत्तर भारत के मैदानी हिस्सों में गर्मी ने रफ्तार पकड़ ली है।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी तेज धूप के कारण दिन के तापमान में उछाल आया है। कई शहरों में पारा 35 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। मार्च के पहले पखवाड़े में तापमान में और इजाफा देखने को मिल सकता है, हालांकि पहाड़ी इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ के असर से बीच-बीच में मौसम में बदलाव बना रहेगा।

उत्तर प्रदेश और राजस्थान में दिन के साथ-साथ अब रात का तापमान भी बढ़ने लगा है। राजस्थान के पश्चिमी जिलों में गर्म हवाएं चलने लगी हैं और न्यूनतम तापमान सामान्य से कई डिग्री ऊपर दर्ज हो रहा है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मौसम विभाग ने हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है।

उत्तराखंड के गंगोत्री में न्यूनतम तापमान -13, बद्रीनाथ में -11, हेमकुंड -12 और हर्षिल -10 दर्ज किया जा रहा है, जबकि मुनस्यारी में पारा -21 तक गिर गया है।

रविशंकर प्रसाद बने विशेषाधिकार समिति के अध्यक्ष

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को विशेषाधिकार समिति के लिए सदस्यों की आधिकारिक नियुक्ति की, जो 3 मार्च, 2026 से प्रभावी होगी। यह पैनल संसदीय विशेषाधिकारों के उल्लंघन से संबंधित मुद्दों की जांच करने और आवश्यक कार्रवाई की सिफारिश करने का कार्य करेगा, जिसकी अध्यक्षता भाजपा नेता रवि शंकर प्रसाद करेंगे। अन्य नामित सदस्यों में ब्रिजमोहन अग्रवाल (भाजपा), तारिक अनवर (कांग्रेस), माणिकम टैगोर बी (कांग्रेस), टीआर बालू (द्रमुक), कल्याण बनर्जी (एआइटीसी), श्रीरंग अप्पा चंदू बारने (शिवसेना), रामवीर सिंह बिधुरी (भाजपा), संगीता कुमारी सिंह देव (भाजपा), जगदंबिका पाल (भाजपा), त्रिवेंद्र सिंह रावत (भाजपा), अरविंद गणपत सावंत (शिवसेना (यूबीटी)), जगदीश शेट्टर (भाजपा), मनीष तिवारी (कांग्रेस), और धर्मेंद्र यादव (सपा) शामिल हैं।

इजराइल-ईरान जंग; 37 भारतीय जहाज-1109 नाविक फंसे

होर्मुज रूट बंद होने से बढ़ी मुश्किलें; 3 भारतीयों की मौत, सरकार ने रिस्पांस टीम बनाई

नई दिल्ली। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग का असर अब भारतीय समुद्री व्यापार पर दिखने लगा है। ईरान ने दुनिया का सबसे अहम होर्मुज रूट बंद कर दिया है।

इसके चलते भारतीय झंडे वाले 37 जहाज और उनमें सवार 1,109 भारतीय नाविक वर्तमान में फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी में फंसे हुए हैं।

इन जहाजों में भारत के लिए जरूरी कच्चा तेल (क्रूड ऑयल) और एलएनजी लदा हुआ है।

जहाजों पर काम करने वाले कम से कम 3 भारतीय नाविकों की मौत हो गई है, जबकि एक नाविक घायल है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए शिपिंग मंत्रालय ने एक 'क्विक रिस्पांस टीम' का बनाई है। यह टीम फंसे हुए नाविकों और उनके परिवारों की सहायता के लिए 24 घंटे काम करेगी।

पीएम नरेंद्र मोदी ने दो दिन में भारतीयों की सुरक्षा को लेकर 8 खाड़ी देशों के नेताओं से बात की है। पीएम ने आज ओमान के सुल्तान, कतर के अमीर और कुवैत के क्राउन प्रिंस से फोन पर बात की और वहां हुए हमलों की निंदा की।

दिल्ली एयरपोर्ट पर 80 इंटरनेशनल फ्लाइट्स रद्द

मध्य पूर्व में बढ़ते सैन्य तनाव का असर दिल्ली एयरपोर्ट पर पड़ा है। मंगलवार को यहां 80 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं। इनमें 36 प्रस्थान और 44 आगमन उड़ानें शामिल हैं।

दुबई-अबू धाबी से 2000+ भारतीय लौटे

इस बीच मिडिल ईस्ट में फंसे 2100 से ज्यादा भारतीय 7 फ्लाइट्स से मंगलवार को देश लौटे। वहीं मिडिल ईस्ट के कई देशों में एयरस्पेस बंद होने के चलते दिल्ली, मुंबई, बैंगलोर और चेन्नई एयरपोर्ट पर 250 से ज्यादा इंटरनेशनल फ्लाइट कैंसिल कर दी गई। इनमें दिल्ली से 80+, मुंबई से 107, बेंगलुरु से 42 और चेन्नई से 30 उड़ानें शामिल हैं। मध्य पूर्व में चल रहे तनाव के कारण एअर इंडिया ने जेद्दा और दुबई के लिए खास राहत उड़ानें शुरू की हैं। वहीं, इंडिगो जेद्दाह से हैदराबाद, मुंबई, दिल्ली और अहमदाबाद के लिए 10 स्पेशल उड़ानें भी चला रहा है।

ठगी

ई-रिक्शा चालक के खाते में डेढ़ करोड़ फ्रीज

फर्जी कंपनी बना 12वीं पास दो लड़कों ने 250 करोड़ ठगे

कानपुर। कानपुर में 12वीं पास दो लड़कों ने 250 करोड़ की ठगी की। दोनों ने दिखावे के लिए 38 फर्जी कंपनी खोलीं। लोन कराने के नाम पर ई रिक्शा चालक और कई स्टूडेंट से पेपर लिए। पुलिस ने मंगलवार को मामले का खुलासा करते हुए दोनों को जेल भेज दिया है।

पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने बताया- पीड़ित ई-रिक्शा चालक के बेटे के खाते से 117 करोड़ का ट्रांजैक्शन मिला है। इसी खाते में मिले 1.5 करोड़ रुपए को सीज कर दिया गया है। आरोपियों ने ठगी के लिए बाकायदा पूरा गैंग बना रखा था। पुलिस 5 फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

लोन के लिए कागज लिए, फिर खोली फर्जी कंपनी

पुलिस कमिश्नर के मुताबिक, आरके नगर के रहने वाले अनुराग वर्मा ने नजीराबाद थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया- मैंने बहन की शादी के लिए लोन लेने के लिए एक एजेंट को दस्तावेज दिए थे। लोन तो नहीं हुआ लेकिन उनके दस्तावेजों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। पुलिस और साइबर सेल ने मामले की जांच शुरू की तो दंग रह गई।

जांच में सामने आया कि उनके दस्तावेज पर यशोदा नगर में पार्वती

ट्रेडर्स के नाम से बोगस कंपनी बनाई। एचडीएफसी बैंक में फर्म के नाम पर अकाउंट खुलवा दिया था। सभी जगह जीएसटी से लेकर बैंक में ठगों ने अपना मोबाइल नंबर दर्ज कराया था। फर्म के नाम पर करोड़ों का आईटीसी क्लेम करके जीएसटी चोरी की जा रही थी।

पुलिस की जांच में एक और केस सामने आया। उन्नाव के इंदिरा नगर के रहने वाले ई-रिक्शा चालक मनोज गुप्ता के बेटे उज्जवल गुप्ता ने भी मां की बीमारी के इलाज के नाम पर लोन के लिए दस्तावेज दिए थे। उज्जवल के नाम पर भी कंपनी बनाकर एचडीएफसी बैंक में खोले गए अकाउंट में 117 करोड़ का ट्रांजैक्शन किया गया।

पुलिस ने जब ई-रिक्शा चालक मनोज और उनके बेटे उज्जवल को हिरासत में लिया तो दंग रह गए। अपने अकाउंट में अरबों का ट्रांजैक्शन और करोड़ों की रकम होने पर उन्हें भी विश्वास नहीं हो रहा था। पूछताछ के बाद खुलासा हुआ कि लोन के नाम पर दिए गए दस्तावेज से ठगों ने बोगस कंपनी बनाई। फिर उनके नाम पर जीएसटी चोरी की। पुलिस की जांच में 38 बोगस कंपनियों में करीब 250 करोड़ का ट्रांजैक्शन मिला है।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि ठगी में शामिल इंटर व आईटीआई पास कपिल और इंटरपास दूसरे शातिर ठग राज उर्फ अमरदीप को अरेस्ट किया है। जबकि, गैंग में शामिल अन्य पांच आरोपियों की भी पहचान की गई है। सभी की अरेस्टिंग के लिए पुलिस की टीमें छापेमारी कर रही हैं। गैंग का खुलासा करने वाली टीम को 50 हजार का इनाम दिया गया है।

सोनिया बोलीं-खामेनेई की हत्या पर भारत की चुप्पी से हैरानी

यह न्यूट्रल रहना नहीं, जिम्मेदारी से पीछे हटना; यह पीएम की ईरान पर हमले की अनदेखी

नई दिल्ली। कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर भारत सरकार की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा- दिल्ली की चुप्पी हैरान करने वाली है, यह तटस्थता (न्यूट्रल) नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से पीछे हटना है। मंगलवार को एक अखबार में पब्लिश आर्टिकल में उन्होंने लिखा- 1 मार्च को ईरान ने पुष्टि की कि उसके सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की एक दिन पहले अमेरिका और इजराइल के टारगेटेड अटैक में हत्या कर दी गई। जब दो

देशों की डिप्लोमैट लेवल की बातचीत चल रही हो, तब एक मौजूदा राष्ट्राध्यक्ष की हत्या अंतरराष्ट्रीय संबंधों में गंभीर दरार को दिखाती है। सोनिया ने लिखा कि भारत सरकार ने न तो हत्या की निंदा की और न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया दी। मोदी ने अमेरिका-इजराइल के हमले को अनदेखा किया, केवल यूएई पर ईरान की जवाबी कार्रवाई की निंदा की। बाद में पीएम ने 'गहरी चिंता' और 'बातचीत व कूटनीति' की बात कही।

संपादकीय

अमेरिका की मनमानी की कीमत कब तक चुकाएगी बाकी दुनिया?

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

दुनिया भर में अमेरिका की एकछत्र वर्चस्व लंबे समय से चर्चा का विषय रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका ने आर्थिक, सैन्य और वित्तीय क्षेत्र में इतनी मजबूत पकड़ बनाई कि वह दुनिया का पुलिसमैन बन गया। लेकिन इस वर्चस्व की कीमत पूरी दुनिया चुकाती रही है—युद्धों, आर्थिक अस्थिरता, प्रतिबंधों और डॉलर की मनमानी के जरिए। सवाल यह है कि यह कीमत कब तक चुकानी पड़ेगी? क्या कभी यह दौर खत्म होगा?

अमेरिका की मनमानी की शुरुआत 1945 के बाद हुई, जब ब्रेटन वुड्स समझौते से अमेरिकी डॉलर को वैश्विक मुद्रा का दर्जा मिला। सोने से जुड़े डॉलर ने अमेरिका को अनलिमिटेड पावर दी—वह जितना चाहे उतना कर्ज ले सकता था, क्योंकि दुनिया को डॉलर चाहिए थे। आज भी वैश्विक व्यापार का 80-90 प्रतिशत डॉलर में होता है। लेकिन इसकी कीमत क्या है? अमेरिका जब भी अपनी नीतियां बदलता है—जैसे फेडरल रिजर्व की ब्याज दरें बढ़ाता है—तो पूरी दुनिया में मुद्रास्फीति, मुद्रा अवमूल्यन और पूंजी बहिर्वाह होता है। 2022 में फेड की ब्याज दर बढ़ोतरी से भारत, ब्राजील जैसे देशों को भारी नुकसान हुआ। अमेरिका ने कहा, डॉलर हमारी मुद्रा है, लेकिन समस्या तुम्हारी है।

सैन्य क्षेत्र में अमेरिका की मनमानी और भी खतरनाक रही है। 2001 के बाद आतंकवाद के खिलाफ युद्ध के नाम पर अफगानिस्तान, इराक, लीबिया जैसे देशों में हमले किए, जिनमें लाखों लोग मारे गए। इराक युद्ध में अकेले 2 लाख से ज्यादा नागरिक मारे गए। ये युद्ध अमेरिका के तेल और भू-राजनीतिक हितों के लिए थे, लेकिन खर्च दुनिया ने चुकाया—प्रतिबंधों से, शरणार्थियों से और अस्थिरता से। चीन की विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाइयों ने 9 लाख से ज्यादा लोगों की जान ली और करोड़ों को बेघर किया।

आज स्थिति बदल रही है। मल्टीपोलर दुनिया उभर रही है। BRICS देश (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका और नए सदस्य) डॉलर से दूर होने की कोशिश कर रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद रूस ने तेल रूबल और युआन में बेचना शुरू किया। चीन का CIPS सिस्टम SWIFT का विकल्प बन रहा है। 2025-2026 में डॉलर का वैश्विक रिजर्व में हिस्सा 57 प्रतिशत तक गिर चुका है, जो 2000 में 70 प्रतिशत था। ट्रंप की टैरिफ नीतियां (100 प्रतिशत तक टैरिफ BRICS पर) ने दुनिया को और दूर धकेला है। यूरोप, एशिया और ग्लोबल साउथ अब स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ा रहे हैं।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अमेरिका की एकतरफा नीतियां—टैरिफ, क्षेत्रीय कब्जे की धमकियां (पनामा कैनाल, ग्रीनलैंड)—ने उसे और अलग-थलग किया है। विशेषज्ञ कहते हैं कि डॉलर का धीमा पतन (slow burn decline) चल रहा है। यह अचानक नहीं होगा, लेकिन 2030-2040 तक मल्टीपोलर मुद्रा व्यवस्था मजबूत हो सकती है। जब चीन का युआन, यूरो या डिजिटल मुद्राएं मजबूत होंगी, तब दुनिया अमेरिका की मनमानी की कीमत कम चुकाएगी।

लेकिन अभी तक कीमत चुकानी पड़ रही है। अमेरिका की आंतरिक समस्याएं—कर्ज 35 ट्रिलियन से ज्यादा, असमानता, राजनीतिक ध्रुवीकरण—उसे कमजोर कर रही हैं। 2026 में मंदी की भविष्यवाणियां हैं। जब अमेरिका खुद डूबेगा, तो दुनिया पर बोझ कम होगा।

निष्कर्ष में, अमेरिका की मनमानी की कीमत दुनिया तब तक चुकाएगी, जब तक वैकल्पिक व्यवस्था नहीं बन जाती। BRICS, SCO और ग्लोबल साउथ की बढ़ती ताकत से यह दौर जल्दी खत्म हो सकता है। लेकिन पूरी तरह छुटकारा मिलने में 10-20 साल लग सकते हैं। तब तक सतर्क रहना होगा—क्योंकि एक कमजोर लेकिन मनमानी ताकत और भी खतरनाक हो सकती है। दुनिया को अब बहुपक्षीयता (multilateralism) पर जोर देना चाहिए, ताकि कोई एक देश मनमानी न कर सके।

चेतना रंगते रंग

पर्व-त्योहारों की धरा भारत में, ऋतुचक्र में बदलाव के साथ सामूहिक उल्लास का पर्व होली, ऐसे वक्त पर आता है जब प्रकृति भी मुस्करा रही होती है। शीत ऋतु की विदाई से जीवन की जड़ता दूर हो रही होती है। खेतों में खिली सरसों और आम्र मंजरियों की महक मन को आह्लादित कर रही होती है। कोयल की कूक हमें ऋतु परिवर्तन का संदेश दे रही होती है। पूरे वातावरण का उल्लास हमारी चेतना को कुदरती रंगों से सराबोर कर रहा होता है। ऐसे परिवेश में होली से उपजा समरसता का रंग हमारी चेतना को रंगता है। होलिका दहन का संदेश यही है कि कलुष की अग्नि में हमारे मन की नकारात्मकता भस्म हो जाती है। नकारात्मकता की राख के बाद ही फाग के रंग रंगत दिखाते हैं। सही मायने में हिरण्यकश्यप प्रतीक है अन्याय,अहंकार और दंभ का। जिसका अंत निश्चित है। वहीं प्रह्लाद पर्याय है सत्य, समानता और समरसता का। जो अग्नि की कसौटी में नई आभा के साथ बाहर आते हैं। वास्तव में हिरण्यकश्यप और प्रह्लाद हर हृदय में विद्यमान हैं। ये हमारी सोच, संस्कार और दृष्टि से ही पुष्पित-पल्लवित होते हैं। होली का पर्व हमें रंगों में रंगकर समता का समाज रचता है। जहां कोई ऊंचा-नीचा, बड़ा-छोटा, अमीर-गरीब और गोरा-काला नहीं होता। ये रंग हमारी चेतना से विभेद के सभी कारक हटाकर, मैं से हम की ओर उन्मुख करते हैं। फिर हम सहजता व सरलता के भाव से परिपूर्ण होते हैं। हम तमाम कृत्रिमताओं से मुक्त हो, एक दिन स्वच्छंद मन से जीना चाहते हैं। हम तमाम वर्जनाओं को त्यागकर एक बच्चे की मानिंद मौलिक रूप में मनुष्य हो जाना चाहते हैं। कहीं न कहीं हमारी चेतना मानवता के उच्च स्तर को छूती है। जो प्रकृति के उल्लास और मौसम की उमंग से आह्लादित होती है। हमारा मन स्क्रीन के आभासी टच से निकलकर जीवन के वास्तविक स्पर्श का सुख को हासिल करने को उद्वेलित होता है। सही मायनों में रंगमय होना भी हमें हल्का करता है। ये हल्कापन होली बीत जाने के बाद भी महसूस होता है। दरअसल, आपाधापी के जीवन में हमने इतनी कृत्रिमताएं ओढ़ ली हैं कि जीवन सुख वास्तव में क्या है, हम उसे भोगने से वंचित हो गए हैं। हमारे आस-पड़ोस में संवाद न के बराबर हो गए हैं। हम समाज में विविधता व समावेशी भाव से दूर चले गए हैं। लेकिन जब होली का त्योहार हमें सारी वर्जनाओं से परे वास्तविक जीवन का अहसास कराता है तो हम हल्का महसूस करने लगते हैं। हकीकत यह है कि हमारे समाज में तेजी से बढ़ते मनोकायिक रोगों के मूल में हमारा सहज-सरल जीवन का न जीना है। पर्व-त्योहारों पर जब हम सामूहिक उत्सवों का हिस्सा बनते हैं, तो समरसता का समाज रचा जाता है। एक ताजगी का अहसास करते हैं हम। दरअसल, हमारे जीवन में पैदा होने वाले तनाव की मूल वजह हमारा समाज से अलगाव ही है। संयुक्त परिवारों के बारे में कहा जाता रहा है कि माता-पिता एक ढाल के रूप में हमारे जीवन के उतार-चढ़ावों को झेल लेते थे। संयुक्त परिवार में सुख-दुख का बांट कर रहना हमें कई तरह के तनावों से मुक्त रखता था। यही स्थिति हमारे सामाजिक जुड़ाव के रूप में परिलक्षित होती है। होली की सामूहिकता में समावेशिता का भाव पर्व को चेतना के उत्सव में बदल देता है। दरअसल, होली के रंग केवल हमारे शरीर को ही नहीं छूते, बल्कि हमारे सुकोमल अहसासों को भी छूते हैं। ऋतुराज वसंत इन आत्मीय अहसासों को और समृद्ध करता है। प्रकृति का सौंदर्य इस सुकून को और गहरा करता है। एक तरफ कुदरत की चित्रकारी तो दूसरी तरफ होली के रंग वातावरण को सम्मोहक बना देते हैं। यही इस पर्व का मर्म भी है। यही कारण है कि सामूहिकता व समरसता के इस पर्व को समाज का सेफ्टीवॉल भी कहा जाता है। जो हमारे तनाव, घुटन व कुंठाओं को दूर करके हमें हल्का-फुल्का होने का अहसास कराता है।

राष्ट्रीय पुत्र दिवस : 4 मार्च, 2026

आधुनिक संदर्भों पिता-पुत्र संस्कृति को नया आयाम दे

ललित गर्ग

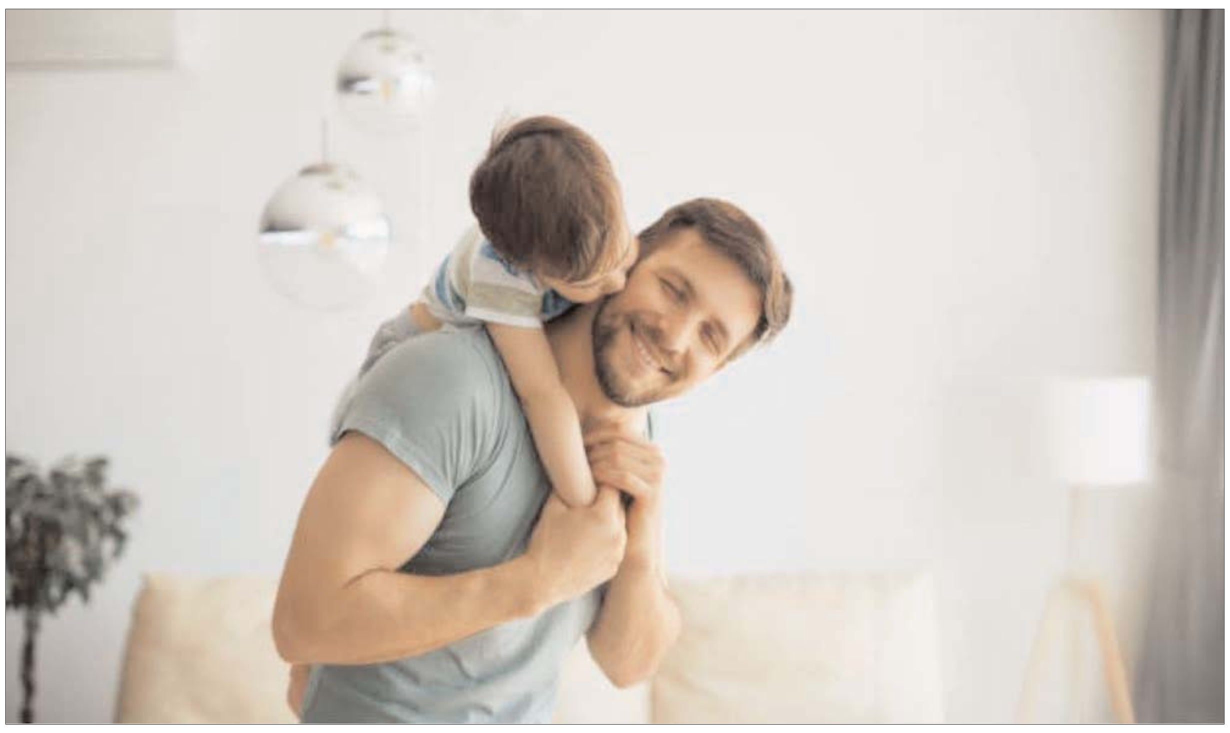

राष्ट्रीय पुत्र दिवस, जो प्रतिवर्ष 4 मार्च को मनाया जाता है, केवल एक पिता-पुत्र संस्कृति को जीवंतता देने का ही उत्सव नहीं है, बल्कि भारतीय परिवार व्यवस्था की आत्मा को स्पर्श करने वाला अवसर है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि पुत्र केवल परिवार की वंश परंपरा का वाहक नहीं, बल्कि संस्कारों, उत्तरदायित्वों और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतिनिधि है। आधुनिक समय में जब संयुक्त परिवार बिखर रहे हैं, पीढ़ियों के बीच संवाद कम हो रहा है और विशेष रूप से पिता और पुत्र के बीच मानसिक दूरी बढ़ती जा रही है, तब यह दिवस एक गहन आत्ममंथन का अवसर बन जाता है। भारतीय चिंतन में पुत्र का अर्थ केवल जन्म से जुड़ा नहीं है। शास्त्रों में कहा गया है-卐पुंनाम्नो नरकाद् यः त्रायते सः पुत्रः卐 अर्थात जो कुल और संस्कृति को पतन से बचाए वही सच्चा पुत्र है। इस परिभाषा में पुत्र को एक उत्तरदायी व्यक्तित्व के रूप में देखा गया है, जो अपने आचरण से परिवार की मर्यादा और मूल्यों की रक्षा करता है।

हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जिन्होंने पुत्र धर्म को सर्वोच्च आदर्श के रूप में स्थापित किया।

भगवान श्रीराम का जीवन इसका सर्वोत्तम उदाहरण है। जब राजा दशरथ ने परिस्थितिवश उन्हें चौदह वर्ष का वनवास दिया, तब श्रीराम ने बिना किसी विरोध, बिना किसी आक्रोश के पिता की आज्ञा को धर्म मानकर स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि परिवार और वचन की मर्यादा को सर्वोपरि रखने का संदेश था। श्रीराम ने यह सिद्ध किया कि अधिकारों से पहले कर्तव्य आते हैं और व्यक्तिगत सुख से ऊपर परिवार की प्रतिष्ठा होती है। आज का युग अधिकारों की चर्चा करता है, परंतु कर्तव्यों का स्मरण कम होता है। यही कारण है कि पिता-पुत्र संबंधों में संवाद का अभाव दिखाई देता है। पिता अक्सर अपने उत्तरदायित्वों की दौड़ में व्यस्त है और पुत्र प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के दबाव में उलझा हुआ है। दोनों के बीच भावनाओं का पुल कमजोर होता जा रहा है। ऐसे में राष्ट्रीय पुत्र दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम इस दूरी को कम करें। पुत्र को केवल आर्थिक साधन या भौतिक सुविधाएँ नहीं चाहिए, उसे चाहिए समय, स्नेह और समझ। जब पिता अपने पुत्र के साथ बैठकर उसके सपनों, उसके डर, उसकी असफलताओं और उसकी आकांक्षाओं पर खुलकर बात करता है, तब संबंधों में विश्वास का संचार होता है। यही विश्वास भविष्य की मजबूत नींव बनता है।

आधुनिक संदर्भ में पुत्र के सामने चुनौतियाँ भी नई हैं। करियर की अनिश्चितता, सोशल मीडिया का प्रभाव, मानसिक तनाव और मूल्य भ्रम उसे अक्सर द्वंद्व में डाल देते हैं। समाज ने लड़कों से अपेक्षा की है कि वे कठोर बनें, अपनी भावनाएँ न प्रकट करें, हर परिस्थिति में मजबूत दिखें। परिणामस्वरूप कई बार वे भीतर से अकेले और दबावग्रस्त हो जाते हैं। राष्ट्रीय पुत्र दिवस इस मानसिक स्वास्थ्य के विषय को भी छूता है। यह माता-पिता को प्रेरित करता है कि वे अपने पुत्र से पूछें-तुम सच में कैसा महसूस कर रहे हो? यह एक साधारण प्रश्न नहीं, बल्कि संवेदनशीलता की शुरुआत है। जब पुत्र को यह अनुभव होता है कि वह सुना जा रहा है, समझा जा रहा है, तब उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। भारतीय संस्कृति में पिता केवल अनुशासन का प्रतीक नहीं, बल्कि आदर्श का आधार रहा है। पुत्र वही सीखता है जो वह अपने पिता के आचरण में देखता है। यदि पिता सत्यनिष्ठ है, तो पुत्र में भी सत्य के प्रति सम्मान विकसित होगा। यदि पिता संयमी और धैर्यवान है, तो पुत्र भी वही गुण आत्मसात करेगा। इसलिए पिता की भूमिका केवल निर्देश देने की नहीं, बल्कि उदाहरण प्रस्तुत करने की है। श्रीराम ने केवल दशरथ की आज्ञा का पालन नहीं किया, बल्कि रघुकुल की उस परंपरा को जीवित रखा जिसमें वचन और मर्यादा सर्वोपरि मानी जाती थी। यह परंपरा केवल अतीत की कहानी नहीं, बल्कि वर्तमान की आवश्यकता है।

भारतीय लोक-स्मृति में श्रवण कुमार पुत्र धर्म के सर्वोच्च प्रतीक माने जाते हैं। उन्होंने अपने नेत्रहीन माता-पिता को कंधों पर बिठाकर तीर्थयात्रा कराते हुए यह सिद्ध किया कि सेवा केवल कर्तव्य नहीं, प्रेम का उत्कर्ष है। आधुनिक युग में यद्यपि परिस्थितियाँ बदल गई हैं, जीवन की गति तेज हो गई है और करियर की चुनौतियाँ अधिक जटिल हो गई हैं, फिर भी श्रवण का आदर्श अप्रासंगिक नहीं हुआ; बल्कि वह और अधिक आवश्यक हो गया है। आज के पुत्र का दायित्व है कि वह माता-पिता के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ा रहे, उनसे संवाद बनाए रखे और उनकी आवश्यकताओं को समझे। सेवा का अर्थ अब केवल शारीरिक श्रम नहीं, बल्कि समय देना, उनकी बात सुनना, उनके एकाकीपन को समझना और उनके आत्मसम्मान की रक्षा करना है। भौतिक आकांक्षाओं की अंधी दौड़ में यदि माता-पिता उपेक्षित हो जाएँ, तो सफलता खोखली हो जाती है। त्याग का अर्थ यह नहीं कि करियर छोड़ दिया जाए, बल्कि यह है कि प्राथमिकताओं में परिवार को स्थान दिया जाए-व्यस्त दिनचर्या में भी नियमित संवाद, स्वास्थ्य का ध्यान, आवश्यक सहयोग और निर्णयों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। आधुनिक पुत्र अपने पेशेवर जीवन की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए भी पारिवारिक जिम्मेदारियों का संतुलित निर्वाह कर सकता है, यदि वह अपने भीतर यह भाव जागृत रखे कि माता-पिता उसके अस्तित्व की जड़ हैं। जब करियर और कर्तव्य के बीच संतुलन स्थापित होता है, तब श्रवण की सेवा-भावना आधुनिक जीवन में जीवंत हो उठती है और पुत्र धर्म केवल कथा नहीं, व्यवहार बन जाता है।

पुत्र की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। आधुनिक स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि वह परिवार से विमुख हो जाए।

सच्ची स्वतंत्रता वही है जिसमें व्यक्ति अपनी जड़ों से जुड़ा रहे और अपने मूल्यों का सम्मान करे। पुत्र यदि अपने करियर में सफल होता है परंतु परिवार से दूर हो जाता है, तो वह सफलता अधूरी रह जाती है। परिवार की शक्ति केवल आर्थिक समृद्धि में नहीं, बल्कि भावनात्मक एकता में है। जब पुत्र अपने माता-पिता के त्याग और संघर्ष को समझता है, उनका सम्मान करता है और वृद्धावस्था में उनका सहारा बनता है, तब वह पुत्र धर्म का वास्तविक निर्वाह करता है। पुत्र केवल परिवार की आशा नहीं, राष्ट्र की संभावना भी है। इतिहास गवाह है कि जब-जब युवाओं ने अपने कर्तव्यों को पहचाना, तब-तब समाज में परिवर्तन आया। आज आवश्यकता है कि पुत्र संस्कृति को राष्ट्र निर्माण से जोड़ा जाए। एक संस्कारवान पुत्र ही आदर्श नागरिक बन सकता है। यदि परिवार में सत्य, सेवा और संयम के मूल्य विकसित होंगे, तो वही मूल्य समाज में भी प्रसारित होंगे। इस प्रकार पुत्र का निर्माण केवल निजी विषय नहीं, सामाजिक उत्तरदायित्व भी है।

आज जब वैश्वीकरण और भौतिकता का प्रभाव बढ़ रहा है, तब परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन आवश्यक है। पुत्र को आधुनिक ज्ञान, तकनीकी दक्षता और वैश्विक दृष्टि मिलनी चाहिए, परंतु उसके भीतर भारतीयता की जड़ें भी गहरी हों। यदि वह विज्ञान में आगे बढ़े परंतु संस्कृति से कट जाए, तो विकास अधूरा रहेगा। यदि वह परंपरा में बंधा रहे और नवीनता को अस्वीकार करे, तो प्रगति रुक जाएगी। इसलिए संतुलन ही समाधान है। यही संतुलन पुत्र संस्कृति को नया आयाम दे सकता है।

राष्ट्रीय पुत्र दिवस को संवाद और संकल्प का दिवस बनाएं। जब पिता का अनुभव और पुत्र का उत्साह मिलते हैं, तब परिवार सशक्त होता है। सशक्त परिवार ही सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। हम अपने पुत्रों को केवल सफल नहीं, सार्थक बनाएं। उन्हें केवल ऊँचाई न दें, गहराई भी दें, केवल स्वतंत्रता न दें, उत्तरदायित्व भी दें, केवल संसाधन न दें, संस्कार भी दें। यदि हम श्रीराम की मर्यादा, श्रवण की सेवा भावना और आधुनिक युग की वैज्ञानिक दृष्टि को एक सूत्र में पिरो दें, तो ऐसा पुत्र तैयार होगा जो परंपरा का रक्षक और भविष्य का निर्माता दोनों होगा। यही पुत्र संस्कृति का नवोदय है, यही भारतीय परिवार व्यवस्था की शक्ति है और यही राष्ट्रीय पुत्र दिवस का सच्चा संदेश है।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3818

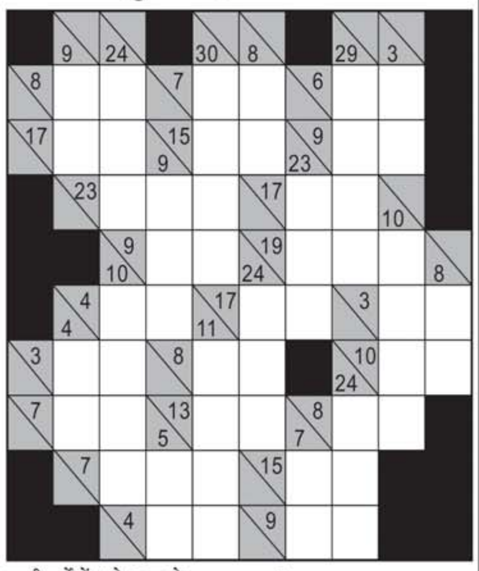

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

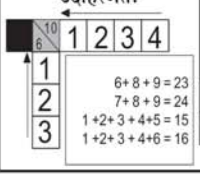

काकुरो - 3817 का हल

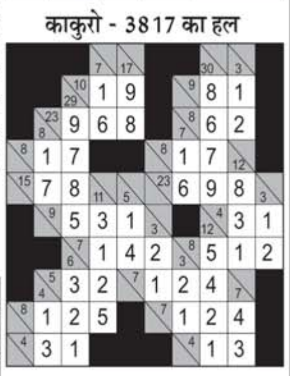

लॉफिंग ज़ोन

चिंकी (सोनू से)- तुम्हें पता है, मेरा भतीजा इतना खराब है कि दिन में कम से कम सात-आठ बार कपड़े बदल ही लेता है।

सोनू परेशान होकर- ऐसा क्यों? क्या उसे कपड़े बदलने की बीमारी हो है?

चिंकी- नहीं नहीं....! अरे पगली! अभी तो वह छः माह का ही है।

□ □ □

शादी की पच्चीसवीं सालगिरह पर पार्टी में आए मेहमानों ने जब नरेश से पूछा कि- बताओ नरेश! आपके हिसाब से सफल वैवाहिक जीवन का राज क्या है?

नरेश बोला- यह वैवाहिक जीवन तभी सफल साबित हो सकता है जब पत्नी बहरी और पति पूरी तरह अंधा बनकर जीवन बिताएँ।

□ □ □

पेशी के दौरान वकील महिला से बोला- जब तुम उस अपराधी से मिलने गई थी और उसने तुमसे जो कहा था, वो अदालत में जज साहब से कह दो।

महिला- नहीं...! मैं वो बात किसी भले आदमी के सामने नहीं कह सकती।

वकील बोला- तो ठीक है! जाकर जज साहब के कान में तो कह ही सकती हो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3818

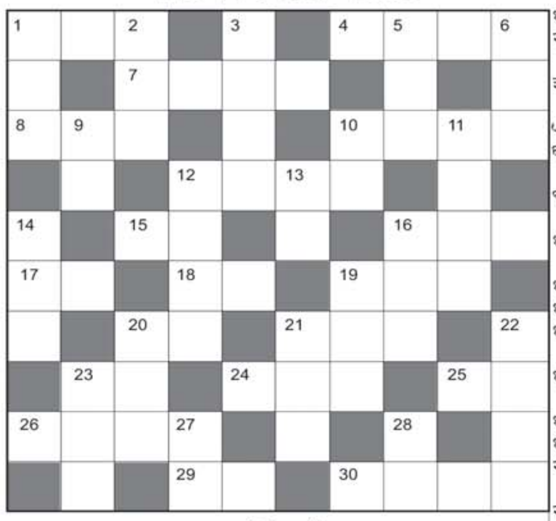

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'आँखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3817

सूडोकु -3818

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3817 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 3818

बाएँ से दाएँ

1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,जूस-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.सुअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत कातने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवर्षि-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2
38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे

1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.घ्राणेंद्रिय,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.चूर-चूर,ढहा-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दूल्हा-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26.मित्र,दोस्त.मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.मेहंदी-2
30.शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.युक्तिवाद,पैरवी-3
35.टब,परात,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.परत,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -3817 का हल

नोएडा में त्यौहार के मद्देनजर पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

लोगों से की पूछताछ, ड्रोन से बाजार और भीड़ वाले इलाकों की निगरानी

नोएडा। होली और रमजान के पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस में फ्लैगमार्च किया। इसमें तीन जोन की पुलिस शामिल रही।

इस दौरान अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था गौतमबुद्धनगर डॉक्टर राजीव नारायण मिश्र , पुलिस उपायुक्त सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी और थाना सेक्टर 63 की पुलिस शामिल रही।

उनके साथ पीएससी और डॉग स्कवायड की टीम भी थी। लोगों से पूछताछ की गई। मंदिर, बाजार से लेकर भीड़ वाले इलाके की ड्रोन से निगरानी की जा रही है।

नोएडा जोन

पुलिस उपायुक्त नोएडा साद मियां खान के नेतृत्व में थाना सेक्टर-58, थाना सेक्टर-24, थाना सेक्टर-20, थाना सेक्टर-39, थाना सेक्टर-49, थाना सेक्टर-113, थाना सेक्टर-126, थाना एक्सप्रेस-वे क्षेत्रान्तर्गत प्रमुख बाजारों, संवेदनशील स्थानों, धार्मिक स्थलों एवं मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में लगातार फ्लैग मार्च ,फुट मार्च किया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों एवं व्यापारियों से बातचीत की जा रही है।

सेंट्रल नोएडा जोन

पुलिस उपायुक्त शक्ति मोहन अवस्थी के पर्यवेक्षण में थाना फेस-3, थाना सेक्टर-63, थाना फेस-2, थाना बिसरख, थाना सूरजपुर, थाना इकोटेक-3, थाना सेक्टर-142 क्षेत्रांतर्गत फ्लैग मार्च, फुट मार्च करते हुए प्रमुख चौराहों, बाजारों एवं संवेदनशील स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था का लगातार जायजा लिया जा रहा है। आमजन को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा जोन

पुलिस उपायुक्त डॉ. प्रवीण रंजन सिंह के पर्यवेक्षण में थाना जारचा, दादरी, दनकौर, कासना, ईकोटेक प्रथम, जेवर, रबूपुरा, बीटा-2, नॉलेज पार्क थाना क्षेत्रान्तर्गत पुलिस बल द्वारा नियमित रूप से फ्लैग मार्च/फुट मार्च किया जा रहा है।

इस दौरान धार्मिक स्थलों, भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है, जिससे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

ग्रेटर नोएडा में स्कॉर्पियो-बलेनो की टक्कर

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार शाम एक सड़क दुर्घटना में भाई-बहन घायल हो गए। गौर यमुना सिटी के पास गलत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उनकी बलेनो कार को जोरदार टक्कर मार दी। गनीमत रही कि बलेनो के एयरबैग खुल गए, जिससे घायलों को गंभीर चोटें नहीं आईं। यह घटना तब हुई जब रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र निवासी नदीम अपनी बहन हीना के साथ ग्रेटर नोएडा से अपने गांव लौट रहे थे। दनकौर कोतवाली क्षेत्र स्थित गौर यमुना सिटी के नजदीक पहुंचने पर गलत दिशा से आ रही स्कॉर्पियो ने उनकी कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो सड़क किनारे बने नाले को पार कर सर्विस रोड पर जा पहुंची। दुर्घटना में बलेनो कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, कार के एयरबैग समय पर खुल जाने के कारण नदीम और हीना को गंभीर चोटें नहीं आईं। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। दनकौर पुलिस ने दुर्घटना के बाद स्कॉर्पियो चालक को हिरासत में ले लिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आरोपी चालक शराब के नशे में था। पुलिस ने उसकी गाड़ी से एक पेटी बीयर भी बरामद की है।

नोएडा में एटीएम कार्ड बदलकर 50 लोगों से ठगी

पुलिस ने आरोपी को किया अरेस्ट, 12 एटीएम कार्ड मिले

नोएडा। नोएडा थाना फेस-2 पुलिस ने एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से अलग-अलग बैंको के 12 एटीएम कार्ड मिले। ये कार्ड आरोपी ने एटीएम से पैसा निकालने आए लोगों से बदले थे, जिससे आरोपी ने लोगों से धोखाधड़ी की। आरोपी के पास से एक चाकू और वैगनार कार भी बरादम की गई।

आरोपी का नाम अमीरुददीन पुत्र इमामुददीन है। पुलिस ने बताया कि अमीरुददीन अपने साथियों के साथ मिलकर आमजन को बहला फुसलाकर उनके एटीएम बदलकर और उनका पिनकोड देखकर धोखाधड़ी कर पैसे निकाल लेता है। साथ ही उनको नकली एटीएम कार्ड दे देता है।

ऐसे करते है ठगी

ये लोग पहले ऐसे एटीएम बूथ की रेकी करते है, जहां गार्ड न हो और वो इंडस्ट्रियल एरिया में हो। ताकि महीने की सैलरी निकलाने वाले कामगारों को फंसाया जा सके। ये लोग एटीएम के बाहर खड़े रहते हैं। जैसे ही कोई व्यक्ति पैसे निकालने आता है। उसे मदद करने के बहाने या एटीएम मशीन खराब बताकर उसका पिन देख लेते हैं और एटीएम कार्ड बदलकर दूसरे एटीएम से पैसा निकाल लेते हैं।

50 लोगों से ठगी

ये लोग अब तक 50 से ज्यादा लोगों से ठगी कर चुके है। इसके साथी को पुलिस जल्द गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है। पीड़ितों से संपर्क किया जा रहा है।

शार्ट न्यूज

गोली चलाने का आरोपी हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने जमीन विवाद से जुड़े एक फायरिंग मामले में एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक तमंचा और कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। यह मामला करीब तीन महीने पहले दनकौर कोतवाली में दर्ज किया गया था। कासना कोतवाली क्षेत्र के डाढा गांव निवासी दिनेश ने शिकायत दर्ज कराई थी कि राजेश शर्मा नामक व्यक्ति ने उनसे जमीन दिलाने के एवज में 11 लाख रुपये लिए थे, लेकिन जमीन नहीं दिलाई। दिनेश के अनुसार, पिछले साल 29 नवंबर को राजेश शर्मा ने उन्हें झालडा गांव में जमीन के बदले दिए गए पैसे वापस करने के बहाने बुलाया था। आरोप है कि वहां राजेश शर्मा और उसके अन्य साथी पहले से घात लगाकर बैठे थे। दिनेश के पहुंचने पर आरोपियों ने उन पर लाठी-डंडों से हमला किया और उन्हें गाड़ी में डालने की कोशिश की। इस दौरान जान से मारने की नीयत से फायरिंग भी की गई, हालांकि गोली दिनेश को नहीं लगी। मारपीट में दिनेश घायल हो गए। अन्य लोगों को आता देख आरोपी दिनेश को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। दिनेश की शिकायत पर पुलिस ने राजेश शर्मा, सुधीर उर्फ कदीरा, सुनील और चंद्रहास के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया था।

युवती की मौत मामले में प्रेमी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। बिसरख कोतवाली क्षेत्र की सोसाइटी में लिव-इन में रहने वाली युवती की मौत के मामले में पुलिस ने आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया। वह अधिवक्ता है। युवती की बहन ने आरोपी पर हत्या का आरोप लगा पुलिस से शिकायत की थी। पुलिस ने उसके खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया था। बिसरख कोतवाली पुलिस के मुताबिक दिल्ली की रहने वाली युवती ने बताया था कि उसकी बहन स्वेता ग्रेनो वेस्ट गार्डन सिटी वन सोसाइटी में राहुल बंसल के साथ लिव-इन में रहती थी। उन्हें 28 फरवरी को राहुल ने सूचना दी कि उनकी बहन ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है।जब वह घटनास्थल पर पहुंचीं तो उनकी बहन जमीन पर पड़ी थी। आरोप है कि राहुल ने स्वेता की हत्या की। राहुल का स्वेता से वर्ष 2020-21 से संबंध था। उसने स्वेता को विवाह का झांसा देकर धोखा दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई कर आरोपी प्रेमी राहुल को गिरफ्तार किया। आरोपी राहुल पेशे से अधिवक्ता है। वह मूलरूप से ग्राम चिरौडी थाना लोनी गाजियाबाद का रहने वाला है। वह फिलहाल दिल्ली के शकरपुर में रहता है। पुलिस ने आरोपी के पास से प्रेमिका से बातचीत में इस्तेमाल करने वाले फोन को भी बरामद किया।

सोसाइटी की लिफ्ट बाधित होने पर हंगामा

नोएडा। सेक्टर-137 स्थित सुपरटेक ईको सिटी सोसाइटी में लिफ्ट बाधित होने पर सोमवार की देर रात हंगामा हुआ। लोगों का आरोप था कि चार टावर में देर रात सिर्फ एक-एक लिफ्ट रुक रुककर चल रही थी। रखरखाव कार्यालय में रात करीब 10 बजे शिकायत करने पहुंचे तो कोई कर्मचारी नहीं मिला। इसके बाद डायल-112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी गई। दरअसल, सुपरटेक ईको सिटी सोसाइटी में आठ हजार से अधिक लोग रहते हैं। एनसीएलएटी (नेशनल कंपनी ऑफ लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल) ने बीते माह 30 दिनों में सभी सुविधाएं एओए (अपार्टमेंट आनर्स एसोसिएशन) को हैंडओवर करने का आदेश दिया था।25 मार्च हो यह हैंडओवर होना है। आरोप है कि रखरखाव देख रही कंपनी वाइजी एस्टेट ने इससे पहले ही कार्य करना बंद कर दिया, लेकिन कंपनी सोसाइटी छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। हैंडओवर न होने तक एओए से एग्रीमेंट के लिए तैयार नहीं है। सोमवार को चार टावर में लिफ्ट बाधित हुईं। इसी बीच कामन एरिया में लगा फायर स्प्रिंकलर भी फट गया। मौके पर कर्मचारी नहीं थे। ऐसे में समय पर सुधार नहीं हो सका। आखिर में लोगों ने पुलिस को सूचना दी। देर रात चौकी इंचार्ज मौके पर पहुंचे और कार्रवाई का आश्वासन दिया।

ग्रेटर नोएडा की हवा दस दिनों से प्रदूषित

नोएडा। ग्रेटर नोएडा की हवा दस दिनों से खराब और बेहद खराब श्रेणी में (एक दिन) बनी हुई है। 28 फरवरी को देश का सबसे वायु प्रदूषित शहर भी रहा था। नोएडा का एक्यूआई दो दिनों के बाद बुधवार को खराब श्रेणी में पहुंच गया है। ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई मंगलवार को 230 दर्ज किया गया। नोएडा का 202 रहा। ग्रेटर नोएडा की हवा 22 फरवरी से खराब श्रेणी में है। एक और दो मार्च को नोएडा का एक्यूआई 200 से कम रहा था। इसके बाद वायु प्रदूषण बढ़ गया। चार दिन से तेज हवा के बावजूद ग्रेनो में वायु प्रदूषण कम नहीं हुआ है। हवा की गति प्रतिघंटे औसतन 15 किलोमीटर रही। छह मार्च से हवा की गति कम होगी। इसके बाद वायु प्रदूषण में और बढ़ोतरी हो सकती है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 13.2 डिग्री रहा। होली के दिन बुधवार को अधिकतम तामपान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 14 डिग्री रहने का अनुमान है। सुबह से ही तेज हवा चलेगी। अगले छह दिनों में अधिकतम तापमान 33 डिग्री तक पहुंच सकता है। न्यूनतम तापमान 13 से 16 डिग्री तक रहने का अनुमान है। सुबह और शाम को मौसम सुहावना बना रहेगा। मार्च के दूसरे सप्ताह के बाद अधिकतम तापमान और बढ़ने की संभावना है।

पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे

नोएडा। शहर में बुधवार को होली खेलने के लिए तैयारी पूरी कर ली। शहरवासी रंग-गुलाल खेलने के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे। कुछ लोगों ने पौधे लगाकर सादगी से पर्व मनाने की तैयारी की है। सेक्टर-15 के सामुदायिक केंद्र में होली पर्व पर लोग जमकर थिरकेंगे। आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष सुमेर सिंह रावत ने बताया कि सेक्टर में हर्बल रंगों के साथ होली का पर्व मनाया जाएगा। केमिकल रंगों का पूरी तरह बहिष्कार किया गया। पौधे लगाकर पर्यावरण संक्षरण का संदेश भी दिया जाएगा। सेक्टर-108 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष विनोद शर्मा ने बताया कि सेक्टर के लोग गुलाल के साथ चंदन और फूलों से होली खेलेंगे।इसके बाद होली के पर्व को यादगार बनाने के लिए पार्क में पौधे लगाएंगे। वर्ष भर पौधे का संरक्षण करने का संकल्प लिया जाएगा। सेक्टर-75 गोल्फ व्यू सोसाइटी में भी सामूहिक रूप से होली का पर्व मनाने की तैयारी की गई है। सोसाइटी के कुछ लोग फेसबुक लाइव से होली का पर्व मनाएंगे। सेक्टर-34 आरडब्ल्यूए के महासचिव धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि आरडब्ल्यूए पदाधिकारी पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखकर होली खेली जाएगी।

जेवर में एक्सीडेंट में छात्र की मौत

बरसाना जा रहा था, पिकअप से टकराया

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में स्थित यमुना एक्सप्रेसवे पर मंगलवार शाम एक सड़क हादसे में इंजीनियरिंग के एक छात्र की मौत हो गई। छात्र की बाइक ओवरटेक करते समय एक पिकअप वाहन से टकरा गई।

मृतक छात्र की पहचान बिहार के हाजीपुर निवासी प्रतीक अमरीक (22) के रूप में हुई है। वह देहरादून स्थित एक विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग का छात्र था। पुलिस के अनुसार, प्रतीक अपनी बाइक से मथुरा जिले के बरसाना में होली खेलने जा रहा था।

यह हादसा उस समय हुआ जब प्रतीक की बाइक यमुना एक्सप्रेसवे पर दनकौर कोतवाली क्षेत्र से गुजर रही थी। एक पिकअप वाहन को ओवरटेक करने के प्रयास में उसकी बाइक पिकअप से टकरा गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

सूचना मिलने पर एक्सप्रेसवे कर्मी और दनकौर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल छात्र को तत्काल ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के पास मिले दस्तावेजों के आधार पर उसकी पहचान कर परिवार को सूचित कर दिया है।

दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि छात्र के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार से शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा में अब तय जगह पर होगी डॉग फीडिंग

1200 स्थानों पर लगाए जाएंगे फीडिंग बोर्ड, एओए और आरडब्ल्यूए की भी होगी जिम्मेदारी

नोएडा। नोएडा में आवारा डॉग्स को लेकर चल रही खींचतान के बीच अब बड़ी कार्रवाई शुरू हो गई है। सुप्रीम कोर्ट के 22 अगस्त के आदेश के बाद नोएडा प्राधिकरण ने शहरभर में डॉग फीडिंग पॉइंट के बोर्ड लगाने शुरू किए जाएंगे। इसका मकसद है कि डॉग्स को सिर्फ तय जगह पर ही खाना खिलाया जाए और कॉलोनियों में विवाद कम हों।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने देशभर की नगर निकायों को निर्देश दिया था कि वह सेक्टर या सोसाइटी के आसपास डॉग्स को खाना खिलाने के लिए तय स्थान चिन्हित किए जाएं। सड़कों और सार्वजनिक जगहों पर फीडिंग न हो, चिन्हित स्थानों पर स्पष्ट साइनबोर्ड लगाए जाएं।

कोर्ट ने कहा था कि बिना व्यवस्था के फीडिंग से लोगों को असुविधा, सुरक्षा और साफ-सफाई की समस्याएं बढ़ रही हैं। इसलिए फीडिंग को

नियमित और नियंत्रित करना जरूरी है। नोएडा प्राधिकरण ने इस आदेश को लागू करने के लिए चरणबद्ध तरीके से काम शुरू किया है। पहले फेज में कई सेक्टरों में बोर्ड लगाए जाएंगे। यह काम पब्लिक हेल्थ विभाग के जरिए किया जा रहा है।

इस फेज में करीब 1.18 करोड़ रुपए खर्च होंगे। ये काम काम 180 दिनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक यह पूरे शहर को कवर करने वाले बड़े प्रोजेक्ट का दूसरा टेंडर है। पहले भी एक टेंडर जारी किया जा चुका है।

1200 फीडिंग पॉइंट बनाने की योजना

सितंबर 2025 में प्राधिकरण ने करीब 1200 तय फीडिंग पॉइंट विकसित करने की योजना बनाई थी। जिस पर अनुमानित लागत करीब 2.5 करोड़ रुपये खर्च किए जाने है। पूरे शहर में सर्वे कर सुरक्षित और स्थायी जगहें चिन्हित की गईं। ज्यादा डॉग्स वाले इलाकों में एओए और आरडब्ल्यूए से सलाह ली जा रही है।

एओए और आरडब्ल्यूए की तय होगी जिम्मेदारी

प्राधिकरण ने स्पष्ट कहा कि वो सिर्फ जगह चिन्हित करेगी, बोर्ड लगाएगी, बुनियादी ढांचा तैयार करेगी। इसके बाद इन फीडिंग पॉइंट्स की देखरेख और निगरानी की जिम्मेदारी एओए और आरडब्ल्यूए को सौंपी जाएगी।

इससे कई फायदे होंगे। पहला कॉलोनियों में डॉग्स की भीड़ नियंत्रित होगी। फीडिंग को लेकर होने वाले झगड़े कम होंगे। साफ-सफाई बेहतर होगी और डॉग्स बाइट के मामले कम होंगे।

गल्फ कंट्री में जंग, नोएडा की इंडस्ट्री पर सीधा वार

1200 करोड़ का कारोबार ठप, यार्ड और कंपनियों में डंप हो रहा माल

नोएडा। गल्फ कंट्री में चल रहे युद्ध का असर अब जमीन पर दिखने लगा है। इसका सीधा झटका इंडस्ट्रियल हब नोएडा को लग रहा है। नोएडा से हर महीने करीब 1200 करोड़ रुपये का तैयार माल गल्फ देशों को निर्यात होता है, लेकिन शिपिंग रुकने और ऑर्डर होल्ड होने से कारोबार ठहराव की कगार पर पहुंच गया है।

उद्योग संगठनों के मुताबिक, लगभग 800 करोड़ रुपये का माल दो सप्ताह पहले भेजा गया था, जो अब पोर्ट पर फंसा हुआ है। शिपिंग लाइनें बंद होने और जहाजों की आवाजाही रुकने से कंटेनर डंपिंग यार्ड में खड़े हैं। फंसे हुए माल में पैकेज्ड फूड आइटम, गारमेंट्स, ज्वेलरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी पार्ट्स शामिल हैं। कई उत्पाद समय-सीमा से जुड़े होते हैं खासकर फूड और फैशन से जुड़े सामान।

देरी बढ़ने पर न केवल गुणवत्ता पर असर पड़ेगा, बल्कि निर्यातकों को भारी आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। कारोबारी सुधीर श्रीवास्तव ने बताया कि नोएडा से साउदी अरब, कुवैत, कतर, बहरीन, इराक और इरान बड़े पैमाने पर मॉल को निर्यात किया जाता है। यहां सप्लाई चेन बुरी तरह से प्रभावित है। ऐसे में जो मॉल निकल गया वो यार्ड में है और जो नहीं निकला वो कंपनियों में डंप किया गया है।

कंपनियों को 'ऑर्डर होल्ड' मेल

नोएडा की अधिकांश निर्यातक कंपनियों को गल्फ क्लाइंट्स की ओर से ऑर्डर होल्ड करने के मेल मिल चुके हैं। कई कंपनियों को यह भी संकेत दे दिया गया है कि फिलहाल नए ऑर्डर जारी नहीं किए जाएंगे। इसका मतलब साफ है आने वाले महीनों में उत्पादन घटेगा, कैश फ्लो पर दबाव बढ़ेगा और रोजगार पर भी असर पड़ सकता है।

इंडस्ट्री में बढ़ी चिंता

उद्योगपतियों का कहना है कि यदि स्थिति जल्दी सामान्य नहीं हुई तो छोटे और मध्यम उद्योगों पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा। जिन कंपनियों ने कच्चा माल खरीदकर उत्पादन कर लिया है, उनके लिए स्टॉक होल्ड करना महंगा साबित होगा। बैंकों की ईएमआई, मजदूरी, बिजली बिल और लॉजिस्टिक्स लागत के बीच कारोबारियों के सामने संकट गहराता जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा में नाली की स्लैब टूटी

दनकौर नगर पंचायत पर लापरवाही का आरोप

जेवर। ग्रेटर नोएडा में दनकौर नगर पंचायत की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं। दनकौर कोतवाली के सामने मुख्य गली में नाली की स्लैब निर्माण के कुछ ही घंटों बाद टूट गई। स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

यह घटना दनकौर कोतवाली के सामने मुख्य गली में हुई, जहां कुछ दिन पहले नाली की स्लैब क्षतिग्रस्त हो गई थी। स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद रविवार शाम को इसका निर्माण कराया गया था। हालांकि, आरोप है कि निर्माण के कुछ ही घंटों के भीतर ही यह दोबारा टूट गई, जिससे लोगों में नाराजगी है।

स्लैब टूटने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। यह मार्ग कोतवाली के सामने होने के कारण काफी व्यस्त रहता है। रोजाना फरियादी, पुलिसकर्मी और स्थानीय निवासी इसी रास्ते से गुजरते हैं। स्लैब क्षतिग्रस्त होने से आवागमन बाधित हो रहा है और हादसे की आशंका भी बनी हुई है।

स्थानीय निवासियों अमित, संदीप, ओमबीर और राजू ने आरोप लगाया है कि निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया, जिसके कारण स्लैब टिक नहीं पाई। उन्होंने निर्माण कार्य की जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

वहीं, नगर पंचायत अध्यक्ष राजवती देवी के प्रतिनिधि दीपक कुमार ने बताया कि स्लैब बनने के कुछ समय बाद ही कुछ लोगों ने उस पर से वाहन निकाल दिए थे, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गई। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही मजबूती के साथ स्लैब का दोबारा निर्माण कराया जाएगा।

नोएडा में डॉग को लेकर दो पक्ष भिड़े

महिला ने युवक पर अभद्रता करने का आरोप लगाया, पुलिस से की शिकायत, आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। बसई गांव में सुबह दूध लेने जा रही दो महिलाओं पर रास्ते में पालतू कुत्ते ने हमला कर दिया। विरोध करने पर कुत्ता पालने वाले युवक ने महिलाओं से अभद्रता की। महिलाओं ने युवक पर पिस्टल तानने का आरोप लगाते हुए फेज-तीन थाना पुलिस से शिकायत की।

कार्रवाई न होने पर मंगलवार दोपहर लोग थाने पहुंचे। पुलिस ने आनन-फानन में केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता मंजू ने पुलिस को बताया कि वह सेक्टर-70 स्थित बसई गांव में रहती हैं। रविवार सुबह करीब पांच बजे वह पड़ोस में रहने वाली सुनीता के साथ दूध लेने के लिए जा रही थीं। जब वह पहलवान मार्केट के पास पहुंचीं तो अशोक पहलवान के घर से निकले एक युवक ने उनके साथ अभद्रता शुरू कर दी। विरोध किया तो आरोपी ने जान से मारने की नियत से पालतू कुत्ता काटने के लिए छोड़ दिया। कुत्ते ने महिला के कपड़े फाड़ दिए।

पिस्टल लेकर 100 मीटर तक पीछा किया

तभी सुनीता ने मंजू को किसी तरह बचाने का प्रयास किया। आरोप है कि युवक ने महिलाओं से गाली-गलौज करते हुए सुनीता का मुंह दबा दिया। आरोपी ने उस समय खुद का नाम आजाद बताया और अपहरण करने की धमकी दी। आरोपी ने पिस्टल तानी तो दोनों महिलाएं भागने लगीं। आरोपी ने करीब 100 मीटर तक पिस्टल से पीछा किया।

बिल्डर प्रबंधन ने हादसे होने के बाद सरिये हटाए

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित अजनारा होम्स सोसाइटी में बच्चे के मुंह में सरिया लगने के बाद बिल्डर प्रबंधन ने सरिया हटा दिया। घायल बच्चा अब भी अस्पताल में भर्ती है। सोसाइटी के लोगों ने हादसे के बाद पुलिस से भी मामले की शिकायत की। सोसाइटी में रहने वाले अंकित ने बताया कि सोमवार शाम को अपने दोस्त के साथ होली खेलते समय एक बच्चे के मुंह में सरिया घुस गया। साथ ही, दूसरे बच्चे के सिर पर सरिया लग गया।इससे दोनों बच्चे जख्मी हो गए। आसपास के लोगों ने उनके रोने की आवाज सुनकर बच्चों को उठाया और तुरंत अस्पताल ले गए।

जेवर में होली पर चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात

बाजारों और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त फोर्स, पैदल मार्च से दिया सुरक्षा का संदेश

जेवर। होली के त्योहार को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए जेवर क्षेत्र में पुलिस प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। दनकौर, जेवर और आसपास के प्रमुख बाजारों, चौराहों व संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

त्योहार को देखते हुए पुलिस लगातार गश्त कर रही है। मुख्य मार्गों पर पुलिसकर्मियों ने पैदल मार्च कर सुरक्षा का संदेश दिया, जबकि प्रमुख चौराहों पर बैरिकेडिंग कर वाहनों की सघन जांच की जा रही है।

प्रशासन के अनुसार, असामाजिक तत्वों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की अफवाह या विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो। स्थानीय थानों को अलर्ट मोड पर रखा गया है और पीसीआर वाहन लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी भ्रामक या भड़काऊ संदेश को तुरंत रोका जा सके।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि होली के दौरान जबरन रंग डालने, हुड़दंग करने, नशे की हालत में वाहन चलाने या शांति व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ त्योहार मनाएं तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है।

पीलीभीत में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को मिली गति

महाविद्यालयों और बस स्टैंड पर चला जागरूकता अभियान

पीलीभीत। जनपद में बाल विवाह जैसी कुप्रथा के उन्मूलन के लिए बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिला प्रोबेशन विभाग के निर्देशन में ग्राम पिपरिया स्थित राम लुभाई साहनी महाविद्यालय में आयोजित एनएसएस कैंप के दौरान छात्र-छात्राओं के बीच पोस्टर प्रतियोगिता कराई गई तथा रैली निकालकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया।कार्यक्रम में जिला मिशन कोऑर्डिनेटर सुवर्णा पांडे ने बाल विवाह के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जानकारी ही बचाव का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने छात्राओं और अभिभावकों से अपील की कि वे बाल विवाह की किसी भी सूचना को तत्काल संबंधित विभाग तक पहुंचाएं। जेंडर स्पेशलिस्ट जय श्री सिंह ने बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों—1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) और 181 (महिला हेल्पलाइन) के बारे में विस्तार से जानकारी दी और आवश्यकता पड़ने पर निःसंकोच सहायता लेने का आह्वान किया।

रोडवेज बस में भी चला जागरूकता अभियान

अभियान के तहत पीलीभीत रोडवेज बस में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्र प्रशासिका तृप्ति मिश्रा ने होली के अवसर पर अपने घर लौट रहे यात्रियों को बाल विवाह उन्मूलन अभियान की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान यात्रियों को बाल विवाह न करने और न होने देने की शपथ भी दिलाई गई। अभियान से जुड़ी जानकारी पाकर यात्री प्रसन्न दिखाई दिए और उन्होंने इस पहल की सराहना की।

चाइल्ड हेल्पलाइन और दत्तक ग्रहण इकाई की सक्रियता

इसी क्रम में चाइल्ड हेल्पलाइन तथा विशिष्ट दत्तक ग्रहण इकाई, पीलीभीत के कर्मचारियों द्वारा भी जनपद के विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। टीम ने लोगों को बाल अधिकारों, सुरक्षित बाल्यावस्था और बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बाल विवाह न केवल कानूनी अपराध है, बल्कि यह बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर गंभीर प्रभाव डालता है।

रेप की एफआईआर कराई तो छात्रा को मार डाला

बस्ती। बस्ती में रेप की एफआईआर करवाने वाली 12वीं की नाबालिग छात्रा की सिरफिरे ने गोली मारकर हत्या कर दी। सोमवार आधी रात को पीछे के रास्ते से घर में घुसा और सो रही छात्रा पर फायरिंग कर दी। एक गोली उसके सिर में और दूसरी गर्दन में मारी। छात्रा की मौके पर मौत हो गई। परिवार के मुताबिक, फायरिंग की आवाज सुनकर भाई जाग गया। दौड़कर पहुंचा तो आरोपी ने तमंचा दिखाकर डराया। उससे मारपीट की। भागने की कोशिश के दौरान मां रास्ते में आ गई। उन पर भी फायरिंग की, लेकिन निशाना चूक गया। मां ने पीछा किया, लेकिन आरोपी भाग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की छानबीन की। मां और भाई से पूछताछ की। उन्होंने बताया कि आरोपी मंदीप गांव का ही रहने वाला है। वह बेटी के पीछे पड़ा था। आरोपी ने कुछ महीने पहले बेटी से दरिंदगी की। अश्लील फोटो-वीडियो रिकॉर्ड कर लिए थे। बेटी ने दूरी बनाई तो वह वायरल करने की धमकी देने लगा। कुछ फोटो वायरल भी कर दिए। इसका पता चलते ही उसके खिलाफ कलवारी थाने में पॉक्सो एक्ट के तहत स्नद्धक्र करवाई थी। तब से आरोपी फरार था। सोमवार को गांव लौटा और बेटी की हत्या कर दी।

5.04 करोड़ रुपए की लागत से चार प्रमुख संपर्क मार्गों का होगा नवनिर्माण

राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जताया आभार

पीलीभीत। जनपद में लगभग 5 करोड़ 4 लाख (504.07 लाख) की लागत से चार प्रमुख संपर्क मार्गों के नवनिर्माण की स्वीकृति केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास की दिशा में उठाया गया दूरदर्शी कदम है। लंबे समय से जर्जर और उपेक्षित सड़कों के कारण ग्रामीण अंचलों को जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था, अब उनके समाधान की ठोस पहल दिखाई दे रही है।

लोक निर्माण विभाग द्वारा जिन मार्गों को स्वीकृति प्रदान की गई है, उनमें सद्दरपुर-मोहनपुर मार्ग (किमी 1 से भूड़ा तक), ग्राम गोंछ से कनाकोर संपर्क मार्ग, ग्राम गौनेरा से चांदडांडी मार्ग तथा डंडिया भिसैड़ी शिव मंदिर से कल्यानपुर खास भट्टा मार्ग शामिल हैं। इन सड़कों का निर्माण केवल आवागमन की सुविधा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह क्षेत्र की सामाजिक और आर्थिक संरचना को भी सुदृढ़ करेगा।ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क केवल परिवहन का माध्यम नहीं होती, बल्कि यह विकास की धुरी होती है। जब गांव मुख्य मार्गों से जुड़ते हैं तो किसानों को अपनी उपज मंडियों तक पहुंचाने में आसानी होती है, विद्यार्थियों की शिक्षा निर्बाध चलती है और मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध हो पाता है। बेहतर सड़कों से व्यापारिक गतिविधियां बढ़ती हैं और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं।

आज जब प्रदेश सरकार गांव-गांव तक आधारभूत सुविधाएं पहुंचाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रही है, तब इस प्रकार की परियोजनाएं उस संकल्प को धरातल पर उतारने का माध्यम बनती हैं। गन्ना विकास एवं चीनी मिल राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार द्वारा इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया जाना यह दर्शाता है कि प्रदेश नेतृत्व ग्रामीण अवसंरचना को प्राथमिकता दे रहा है।हालांकि किसी भी योजना की सफलता केवल स्वीकृति से नहीं, बल्कि उसके गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध क्रियान्वयन से सुनिश्चित होती है। आवश्यकता है कि निर्माण कार्य पारदर्शिता और उच्च मानकों के साथ संपन्न हों, ताकि सड़कों की स्थायित्व क्षमता दीर्घकालिक हो और जनता को बार-बार मरम्मत की समस्या से न जूझना पड़े।

शार्ट न्यूज

पीलीभीत-नेपाल सीमा 2 से 5 मार्च तक रहेगी सील

पीलीभीत। नेपाल राष्ट्र में प्रस्तावित निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराए जाने के मद्देनज़र भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर एहतियातन सख्ती बरती जा रही है। इसी क्रम में महेंद्रनगर, कंचनपुर (नेपाल) के जिलाधिकारी द्वारा जनपद से सटी भारत-नेपाल सीमा को अस्थायी रूप से सील किए जाने का अनुरोध किया गया था। तत्पश्चात जिला मजिस्ट्रेट ज्ञानेंद्र सिंह ने निर्देश जारी करते हुए 2 मार्च 2026 की रात्रि 12: 00 बजे से 5 मार्च 2026 गुरुवार रात्रि 12:00 बजे तक भारत-नेपाल सीमा पर स्थित सभी अधिकृत एवं अनाधिकृत मार्गों तथा पगडंडियों पर कड़ी निगरानी रखते हुए सीमा को अस्थायी रूप से सील करने के आदेश दिए हैं। जिला प्रशासन की ओर से पुलिस अधीक्षक, सशस्त्र सीमा बल 49वीं वाहिनी ललौरीखेड़ा के कमांडेंट, उपजिलाधिकारी पूरनपुर एवं कलीनगर, पुलिस क्षेत्राधिकारी पूरनपुर तथा तहसीलदार पूरनपुर/कलीनगर को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्वाचन अवधि के दौरान सीमा पार अवैध आवागमन एवं अन्य अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए यह कदम उठाया गया है।

पीलीभीत में छत से गिरकर ग्रामीण की मौत

पीलीभीत। पीलीभीत के बरखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव नकटा मुरादपुर में एक ग्रामीण की छत से गिरकर मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब ग्रामीण एक छत से दूसरी छत पर छलांग लगाकर शॉर्टकट लेने का प्रयास कर रहा था। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही शव को घर वापस ले लिया। जानकारी के अनुसार, नकटा मुरादपुर निवासी मनोज अपने घर से पड़ोसी के घर जा रहे थे। उन्होंने सीढ़ियों के बजाय छत का रास्ता चुना। बताया गया है कि दोनों मकानों की छतों के बीच कुछ फीट का फासला था। मनोज ने इस फासले को छलांग लगाकर पार करने का प्रयास किया, लेकिन उनका पैर फिसल गया। संतुलन बिगड़ने के कारण मनोज नीचे गिर गए। वह दो दीवारों के बीच एक संकरी जगह में फंस गए। चोट लगने के कारण उन्होंने मदद के लिए पुकारा। उनकी आवाज सुनकर परिजन और पड़ोसी तुरंत मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि संकरी जगह होने के कारण मनोज को बाहर निकालना चुनौतीपूर्ण था। काफी प्रयास के बाद ग्रामीणों ने उन्हें दीवारों के बीच से बाहर निकाला। इसके बाद एंबुलेंस बुलाकर उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

ई-रिक्शा की टक्कर के बाद दो पक्षों में मारपीट

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में होली की पूर्व संध्या पर थाना दक्षिण क्षेत्र में ई-रिक्शा की टक्कर के बाद दो पक्षों में मारपीट हो गई। इस घटना में एक युवक घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कई आरोपियों को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार, नई बस्ती निवासी विक्रम का ई-रिक्शा टकराने के बाद दूसरे पक्ष से विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान दूसरे पक्ष के कुछ लोगों ने विक्रम के साथ मारपीट की, जिससे उसके सिर में चोट आई। घायल विक्रम को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। घटना के दो समुदायों से जुड़े होने के कारण क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई और हंगामा शुरू हो गया। सूचना मिलते ही एसपी सिटी रवि शंकर प्रसाद मौके पर पहुंचे। उनके साथ कई थानों की पुलिस फोर्स, एलआईयू टीम और अतिरिक्त बल भी तैनात किया गया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। क्षेत्र में लगातार गश्त की जा रही है।

फर्रुखाबाद में 3 बसें सीज, 70 हजार जुर्माना

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद में होली पर्व के मद्देनजर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए परिवहन विभाग ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। एआरटीओ प्रवर्तन सुभाष राजपूत और एआरएम रोडवेज राजेश कुमार ने बसों की जांच की। इस दौरान ड्रिंक एंड ड्राइव की भी विशेष चेकिंग की गई। मंगलवार को चलाए गए इस अभियान में तीन डग्गेमार बसों को सीज किया गया। इनमें से एक बस दिल्ली से 75 सवारियां लेकर आ रही थी और वह रोडवेज के रंग में रंगी हुई थी। दूसरी बस का बीमा समाप्त था और उस पर छह महीने का टैक्स भी बकाया था। तीसरी बस बिना परमिट के संचालित हो रही थी। तीनों बसों को सीज कर रोडवेज बस अड्डे में खड़ा कराया गया है। इन पर कुल 70,000 का जुर्माना लगाया गया है। चेकिंग के दौरान 42 रोडवेज और अन्य बसों के चालकों की ड्रिंक एंड ड्राइव जांच की गई। राहत की बात यह रही कि किसी भी बस चालक को शराब के नशे में वाहन चलाते हुए नहीं पाया गया। हालांकि, पांचालघाट पुल पर एक ऑटो चालक को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन उसने वाहन नहीं रोका। ऑटो में तेज आवाज में होली के गाने बज रहे थे। पीछा करने के बाद जब ऑटो को पकड़ा गया, तो चालक शराब के नशे में पाया गया। उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं था।

गाजियाबाद में पत्नी को चाकू गोदकर मार डाला

गाजियाबाद। गाजियाबाद के लोनी के अंकुर विहार में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की चाकू मारकर हत्या कर दी। मां को बचाने आई बेटी पर भी हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे डीएलएफ एमएम रोड स्थित एफ-एफ 1 फ्लैट में हुई। आरोपी पति घनश्याम वारदात के बाद मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल बेटी हिमांशी को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मृतका मीनू (50) के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मूलरूप से राजस्थान की रहने वाली मीनू अपने पति घनश्याम, बड़ी बेटी भावना, छोटी बेटी हिमांशी और बेटे देवांग के साथ अंकुर विहार थाना क्षेत्र के डीएलएफ एमएम रोड पर रहती थी। अंकुर विहार के एसीपी ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम को दोपहर करीब 4 बजे घटना की सूचना मिली थी। पुलिस के मौके पर पहुंचने पर मीनू और हिमांशी खून से लथपथ जमीन पर पड़े मिले। पुलिस ने दोनों को 50 सैय्या बेड अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने मीनू को मृत घोषित कर दिया। हिमांशी को गंभीर हालत में दिल्ली के जीटीबी अस्पताल रेफर किया गया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि घनश्याम अपनी पत्नी पर शक करता था, जिसके चलते दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। घटना के समय मीनू की बड़ी बेटी भावना जो दिल्ली के बुराड़ी में नौकरी करती है, वह काम पर गई हुई थी।

तेंदुए ने 14 साल के बच्चे को नोचकर मार डाला

लखीमपुर में घर से 2 किमी दूर मिला शव, शरीर पर नाखूनों के निशान मिले

एजेंसी

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर में तेंदुए ने 14 साल के किशोर को नोच कर मार डाला। लड़के की गर्दन पर गहरा जख्म है। शरीर पर कई जगह दांत और नाखूनों के निशान हैं।

वह अपने घर से घूमने के लिए निकला था। देर रात तक जब वह वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी काफी तलाश की। आज सुबह उसका शव घर से 2 किमी दूर एक खेत में मिला। गांव वालों ने घटना की जानकारी वन विभाग और पुलिस को दी।

उत्तर निघासन वन रेंज के रेंजर भूपेंद्र सिंह ने बताया कि इलाके में एक तेंदुआ घूम रहा था। जिसने लड़के पर हमला किया है। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। यह घटना जिला मुख्यालय से 75 किमी दूर तिकुनिया कोतवाली की है।

अब पूरा मामला जानिए..

जसनगर गांव के गुरुचरन सिंह के 14 साल का बेटा राज कमल सोमवार को घर से बाहर घूमने निकला था। लेकिन जब देर रात तक वह वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की। मंगलवार सुबह खैरटिया गांव के पास उसका शव एक खेत में पड़ा मिला।

गांव वालों ने बताया कि उसको तेंदुए ने मार डाला। राज कमल के गर्दन को नोचा गया था। उसके शरीर पर कई जगह नाखूनों के निशान थे। घटनास्थल पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। जानकारी मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और पुलिस टीम भी पहुंच गई।

बिजनौर में बाइक से गिरकर महिला की मौत

बिजनौर। बिजनौर जनपद के अफज़लगढ़ क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में सीआरपीएफ जवान की पत्नी की मौत हो गई। हादसे में उनके दो बच्चे भी घायल हो गए। घटना के बाद परिवार और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। होली पर छुट्टी लेकर त्योहार मनाने आए थें। होली की खुशियां मातम में बदल गईं। अफज़लगढ़ के गांव हिदायतपुर चौहड़ निवासी दीपक कुमार पुत्र हिमाचल सिंह सीआरपीएफ में तैनात हैं और होली पर छुट्टी लेकर घर आए थे। मंगलवार को वह पत्नी सोनिका और बच्चों के साथ बाइक से धामपुर से गांव लौट रहे थे। शेरकोट क्षेत्र के भूतपुरी पुल के पास अचानक सोनिका का दुपट्टा बाइक के पिछले पहिए में फंस गया। इससे वह सिर के बल सड़क पर गिर पड़ीं और गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि दोनों बच्चे भी गिरकर चोटिल हो गए। राहगीरों की सूचना पर 108 एंबुलेंस से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अफज़लगढ़ ले जाया गया, जहां डॉ. खालिद अहमद ने सोनिका को मृत घोषित कर दिया। बच्चों का उपचार जारी है।

तड़के एनएच-730 पर मौत की रफ्तार

चार ट्रकों की भीषण भिड़ंत में श्रमिक की दर्दनाक मौत, एक गंभीर घायल

पीलीभीत। थाना गजरौला क्षेत्र के जरा चौकी अंतर्गत एनएच-730 नेशनल हाईवे पर मंगलवार तड़के करीब चार बजे हुए भीषण सड़क हादसे में एक श्रमिक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लंबा जाम लग गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गजरौला कला निवासी 40 वर्षीय सोमपाल पुत्र तोताराम मंगलवार सुबह भूसे की गाड़ी पर भूसा भरवाने के लिए जा रहे थे। जैसे ही वह जरा पेट्रोल पंप के निकट पहुंचे, उसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे चार ट्रकों की आपस में जोरदार भिड़ंत हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि आसपास के लोगों की नींद खुल गई और मौके पर चीख-पुकार मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रकों की रफ्तार काफी तेज थी और घना कोहरा भी छाया हुआ था, जिससे दृश्यता कम हो गई थी।

अचानक हुए इस हादसे में सोमपाल ट्रकों की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं राजेंद्र शर्मा नामक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल जिला अस्पताल भिजवाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

हादसे की सूचना मिलते ही जरा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात सुचारु कराया गया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार चार ट्रकों की आपसी भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौके पर मौत हुई है, जबकि एक अन्य घायल का उपचार कराया जा रहा है। दुर्घटना के कारणों की गंभीरता से जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को संभावित कारण माना जा रहा है।

इधर, जैसे ही सोमपाल की मौत की खबर परिजनों तक पहुंची, घर में कोहराम मच गया। त्योहार से ठीक पहले आई इस दुखद खबर ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया। गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और लोगों का कहना है कि प्रशासन को हाईवे पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी करनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।पुलिस मामले की जांच में जुटी है और संबंधित ट्रक चालकों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस ने हत्या कांड में वांछित 7 आरोपियों को किया गिरफ्तार

जमीनी विवाद में लाठी-डंडों से मारपीट के बाद हुई थी युवक की मौत, चार पुरुष व तीन महिलाएं शामिल

पीलीभीत। जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत थाना दियोरिया कला पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने हत्या के मुकदमे से संबंधित सात वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। पुलिस के अनुसार मु0अ0सं0 37/2026 में धारा 191(2), 191(3), 115(2), 352, 103(1), 109(1) बीएनएस के तहत दर्ज मुकदमे में नामजद आरोपियों—रवि पुत्र गंगाराम (22 वर्ष), सुनील पुत्र गंगाराम (24 वर्ष), बब्लू पुत्र जंगबहादुर (30 वर्ष), ज्वाला प्रसाद पुत्र दोदराम (55 वर्ष), मधु पुत्री गंगाराम (19 वर्ष), मल्ली देवी पत्नी जंगबहादुर (42 वर्ष) तथा अनारा देवी पत्नी गंगाराम (45 वर्ष), निवासीगण ग्राम किशनपुर थाना दियोरिया कला—को ग्राम गाजना सिधारपुर से गिरफ्तार किया गया।

जमीनी विवाद बना हत्या की वजह

घटना 1 मार्च 2026 की है, जब ग्राम किशनपुर में जमीनी विवाद के चलते आरोपियों ने एक राय होकर हरिओम पुत्र बनवारी लाल (उम्र करीब 35 वर्ष) पर लाठी, डंडा, कुल्हाड़ी और बांका से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल हरिओम की उपचार के दौरान अस्पताल में मृत्यु हो गई थी।

घटना के बाद से सभी आरोपी फरार चल रहे थे। पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए दबिश देकर सभी सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस टीम की सक्रियता

गिरफ्तारी अभियान में थाना प्रभारी गौतम सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अमित कुमार शर्मा, उपनिरीक्षक संजय कुमार, हेड कांस्टेबल अनिल कुमार, हेड कांस्टेबल सतवीर सिंह, कांस्टेबल गगन चौधरी, कांस्टेबल सहदेव, महिला हेड कांस्टेबल कनक सिंह तथा महिला कांस्टेबल पारुल बासलियान शामिल रहीं।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई पूर्ण कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है। मामले की विवेचना जारी है।

होली पर शराब पीकर हुड़दंग करने वालों पर होगी कार्रवाई

तेज आवाज में नहीं बजेंगे डीजे, भ्रामक पोस्ट करने वालों की खैर नहीं

आगरा। होली के त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के लिए जिलेभर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

होली पर शराब पीकर हुड़दंग करने वालों पर कार्रवाई होगी। पुलिस कमिश्नर ने लोगों से शांतिपूर्वक त्योहार मनाने की अपील की है।

होली के नाम पर महिलाओं, युवतियों से छेड़छाड़ न करने, नशे में वाहन न चलाने व निर्धारित आवाज में ही डीजे बजाने की बात कही है। पुलिसकर्मियों के अवकाश भी 7 मार्च तक कैंसिल कर दिए गए हैं।

होली के मद्देनजर सिटी जोन को छह जोन और 18 सेक्टरों में बांटा गया है। जोन में सुरक्षा की कमान एसीपी तो सेक्टर पर इंस्पेक्टर संभालेंगे। चौराहों पर पुलिस के साथ ही पीएसी के जवान तैनात रहेंगे। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में ड्रोन व सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी।

पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने वीडियो जारी कर लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की।

पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने कहा कि होली के नाम पर किसी महिला, युवती से अभद्रता की जाती है तो पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। अगर कोई व्यक्ति होली नहीं खेलता चाहता है तो उस पर रंग न डालें। शिकायत मिलने पर कार्रवाई होगी।

बहरीन में फंसे बीसलपुर के युवक ने परिजनों को बताई दहशत भरी स्थिति, सकुशल वापसी की लगाई गुहार

पीलीभीत। बीसलपुर के मोहल्ला पटेल नगर निवासी जितेंद्र कुमार गंगवार इन दिनों बहरीन में फंसे हुए हैं। वह निजी कंपनी में नौकरी करने के लिए बहरीन गए थे, लेकिन ईरान-इजरायल-अमेरिका के बीच बढ़ते युद्ध जैसे हालात के कारण वहां की स्थिति तनावपूर्ण हो गई है। ऐसे में उन्होंने अपने परिजनों को फोन पर वहां के हालात बताते हुए भय और चिंता व्यक्त की है। जितेंद्र कुमार गंगवार पुत्र जयपाल गंगवार ने परिजनों को बताया कि क्षेत्र में असमंजस और डर का माहौल है। युद्ध की आशंका और सुरक्षा को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होने से वहां कार्य कर रहे भारतीय नागरिकों में भी चिंता बढ़ गई है। इधर, उनके परिवार में भी बेचैनी का माहौल है। जितेंद्र की पत्नी रितु शिवांगी गंगवार ने अपने पति की सकुशल वतन वापसी के लिए जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई है। उन्होंने किसान नेता देव स्वरूप पटेल के माध्यम से केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद को व्हाट्सएप के जरिए प्रार्थना पत्र भेजकर पूरी स्थिति से अवगत कराया है। किसान नेता एवं क्रांतिकारी विचार मंच उत्तर प्रदेश के प्रांतीय संरक्षक देव स्वरूप पटेल ने बताया कि रितु शिवांगी द्वारा भेजे गए प्रार्थना पत्र को तत्काल केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद तक पहुंचा दिया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार विदेश में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और वापसी के लिए हरसंभव प्रयास करेगी।परिवार के लोगों ने प्रशासन और केंद्र सरकार से अपील की है कि बहरीन में फंसे जितेंद्र कुमार गंगवार को सुरक्षित भारत लाने की दिशा में शीघ्र कार्रवाई की जाए, ताकि परिवार की चिंता दूर हो सके। स्थानीय लोगों ने भी सरकार से अनुरोध किया है कि विदेशों में कार्यरत भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और संकट की स्थिति में तत्काल राहत एवं वापसी की व्यवस्था की जाए।

दो बाइकों की टक्कर, युवक की मौत

बिजनौर। बिजनौर के नहटौर क्षेत्र में मंगलवार शाम एक सड़क हादसे में दिल्ली से होली मनाने घर आए एक युवक की मौत हो गई। ग्राम बल्लाशेरपुर के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर में यह हादसा हुआ, जिसमें एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, यह घटना मंगलवार शाम करीब 5 बजे हुई। ग्राम बल्लाशेरपुर निवासी अभिषेक और राजपाल अपनी-अपनी मोटरसाइकिलों पर सवार होकर जा रहे थे। गांव के पास ही उनकी बाइकों की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में अभिषेक और राजपाल दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। अभिषेक दिल्ली के एक होटल में काम करता था और होली का त्योहार अपने परिवार के साथ मनाने के लिए छुट्टी लेकर गांव आया था।

श्रावस्ती में किसान नेता का जंगल में जला शव मिला

पति ने युवक पर हत्या कर शव जलाने का लगाया आरोप, 14 दिन से थी लापता

श्रावस्ती। श्रावस्ती में लापता किसान नेता का जला हुआ शव जंगल में मिला। महिला 17 फरवरी को किसान यूनियन की बैठक में शामिल होने की बात कहकर घर से निकली थीं। उसके बाद से लापता थीं।

मंगलवार को दोपहर 2 बजे पुलिस ने ककरदरी रेंज जंगल में से महिला का जला शव बरामद किया। महिला की अस्थियां क्षत विक्षत हालत में मिली।

पति ने जूते और कपड़ों से अपने पत्नी के रूप में पहचान की। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाया। मामला मल्हीपुर थाना क्षेत्र का है।

पढ़िए पूरा मामला

किसान नेता आंचल मिश्रा (25) पत्नी संतोष मिश्रा, बांसगढ़ी फत्तेपुर बनगई गांव में 2 बच्चों के साथ रहती थी। आंचल मिश्रा किसान यूनियन अराजनैतिक महिला विंग की जिलाध्यक्ष थी। 17 फरवरी को भिनगा में किसान यूनियन की बैठक में शामिल होने की बात कहकर घर से निकली थीं। इसके बाद वह रहस्यमय परिस्थितियों में गायब हो गईं। काफी तलाश के बाद भी कोई सुराग न मिलने पर 19 फरवरी को मल्हीपुर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी।

सोमवार को करीब दो सप्ताह बाद ककरदरी जंगल से उनका जला हुआ शव बरामद हुआ। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए।

पति संतोष मिश्रा ने पास के ही सूरज वर्मा नामक युवक पर हत्या कर शव जलाने का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि घटना के बाद सूरज वर्मा उनके साथ मिलकर आंचल की तलाश का नाटक करता रहा।

जानकारी के अनुसार, जांच में दोनों की आखिरी लोकेशन एक ही स्थान पर मिलने की बात सामने आई है। जिससे संदेह और गहरा गया है। घटना के बाद एहतियातन जंगल क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

विशाल इंडिया
हिन्दी दैनिक

गौतमबुद्धनगर
बुधवार 04 मार्च 2026
Www.vishalindia.in

संक्षिप्त समाचार

जल्द ही वेनेजुएला लौटेंगी मारिया कोरिना मचाडो

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने कहा है कि वह जल्द ही देश लौटेंगी। उन्हें 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य नए चुनाव की तैयारी करना है। मौजूदा कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने चेतावनी दी है कि लौटने पर उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी कार्रवाई में गिरफ्तार किया गया था। देश में राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है और आने वाले समय में हालात और बदल सकते हैं।

ब्राजील में बोल्सोनारो समर्थकों का प्रदर्शन

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील में पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के समर्थकों ने कई शहरों में रैली निकाली। ये प्रदर्शन मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला दा सिल्वा के खिलाफ किया गया। साओ पाउलो और रियो डी जेनेरियो में हजारों लोग सड़कों पर उतरे। बोल्सोनारो फिलहाल जेल में हैं और उनके बेटे फ्लावियो बोल्सोनारो चुनाव में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। समर्थकों का कहना है कि उनके नेता के साथ अन्याय हुआ है। हाल के सर्वे में लूला और फ्लावियो के बीच कड़ी टक्कर बताई जा रही है। आने वाला चुनाव ब्राजील की राजनीति के लिए अहम माना जा रहा है।

गाजा में फिर बढ़ी चिंता

गाजा, एजेंसी। गाजा में हाल ही में युद्धविराम से कुछ राहत मिली थी, लेकिन ईरान पर हमलों के बाद हालात फिर तनावपूर्ण हो गए हैं। इस्राइल ने सीमाएं बंद कर दी हैं, जिससे खाने–पीने की चीजों की कमी का डर बढ़ गया है। कई लोग राशन जमा करने लगे हैं और आटे जैसी जरूरी चीजों के दाम बढ़ रहे हैं। युद्ध की शुरुआत हमास के हमले के बाद हुई थी। अब रमजान के महीने में लोग फिर से मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। हालांकि कुछ इलाकों में गोलीबारी कम हुई है, लेकिन अनिश्चितता बनी हुई है। लोगों को डर है कि नई जंग की वजह से गाजा की समस्या पर दुनिया का ध्यान कम हो सकता है।

टेक्सास शूटिंग की घटना– हमलावर की हुई पहचान

ऑस्टिन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य के ऑस्टिन शहर में एक बार के बाहर गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और 14 लोग घायल हो गए। पुलिस ने हमलावर की पहचान 53 वर्षीय नदियागा डियाग्ने के रूप में की है। वह हमले के समय ऐसे कपड़े पहने था जिन पर 'अल्लाह की संपत्ति' लिखा था और ईरान का झंडा बना था। पुलिस ने उसे मौके पर ही मार गिराया। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन इस घटना की जांच संभावित आतंकी हमले के रूप में कर रही है। हमलावर ने पहले गाड़ी से गोली चलाई और फिर राइफल लेकर सड़क पर फायरिंग की। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से और बड़ी जनहानि टल गई।

पाकिस्तान में सुरक्षा बैठक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देश की सुरक्षा स्थिति पर एक बड़ी बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक ईरान में हालात बिगड़ने और अफगानिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बाद बुलाई गई। पाकिस्तान ने हाल ही में 'ग़ज़ब लिल हक' नाम से अभियान चलाया है, जो अफगान तालिबान के खिलाफ बताया जा रहा है। इस बीच अमेरिका और इज़राइल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। बैठक में सेना प्रमुख और कई बड़े मंत्री मौजूद रहे। ईरान में फंसे पाकिस्तानी नागरिकों को सुरक्षित निकालने पर भी चर्चा हुई। उन्हें अज़रबैजान के रास्ते वापस लाया जा रहा है। क्षेत्रीय हालात को देखते हुए शरीफ ने अपना प्रस्तावित रूस दौरा भी टाल दिया है।

भारतीय राजनयिक सिद्धार्थ चटर्जी थिंक टैंक के सीईओ नियुक्त

वियना, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के अनुभवी भारतीय मूल के राजनयिक सिद्धार्थ चटर्जी को वियना स्थित थिंक टैंक ग्लोबल नेबर्स का सीईओ नियुक्त किया गया है। 62 वर्षीय चटर्जी रविवार को चीन में संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर पद से सेवानिवृत्त हुए। 2 मार्च से वे अपना नया कार्यभार संभालेंगे। चटर्जी नेशनल डिफेंस एकेडमी के पूर्व छात्र और भारतीय सेना के पूर्व अधिकारी हैं। उन्हें 1995 में वीरता के लिए सम्मानित किया गया था।

ईरान के बाद इजरायल ने लेबनान को जंग में घसीटा, राजधानी पर ताबड़तोड़ हमले

तेलअवीव, एजेंसी। इजरायल और अमेरिका के हमलों में ईरान के शीर्ष नेता अयातुल्लाह अली खामनेई मारे गए हैं। इसके अलावा ईरान के कई शहरों पर हमले जारी हैं तो वहीं ईरान ने भी जवाबी ऐक्शन लेते हुए इजरायल समेत आसपास के 6 सुन्नी मुस्लिम देशों पर भी अटैक किए हैं। इस बीच इजरायल ने भी जंग में एक और देश को घसीट लिया है। इजरायल पर हिजबुल्लाह की ओर से हमले किए गए थे और उसने जवाबी कार्रवाई करते हुए लेबनान पर बम बरसाए हैं। ये हमले लेबनान की राजधानी बेरूत पर किए गए हैं। हिजबुल्लाह ईरान समर्थिक उग्रवादी गुट है, जो लेबनान में सक्रिय रहा है। इसके अलावा हमास और हूती उग्रवादियों को भी ईरान के ही प्रॉक्सी गुट माना जाता है।

हिजबुल्लाह ने उत्तरी ईरान के हाइफा पर ड्रोन और रॉकेट हमले किए थे। इस पर इजरायल ने जवाबी ऐक्शन लिया और लेबनान की राजधानी में फाइटर जेट्स से हमला किया है। हिजबुल्लाह ने यह कहते हुए हमला किया था कि हम अयातुल्लाह खामेनेई की हत्या का बदला ले रहे हैं। इसी पर अब इजरायल ने जवाबी ऐक्शन लिया है। हिजबुल्लाह ने एक बयान जारी कर कहा कि इजरायल ने हमारे नेता को हमारा है। अब हम भी चुप नहीं बैठ सकते। हम जवाबी ऐक्शन लेंगे। हमारे पास अधिकार है कि रक्षा करें और दुश्मन पर सही समय और सही जगह पर अटैक करें।

ईरान समर्थित समूह ने कहा कि बीते 15 महीनों से लगातार इजरायल हमारे ऊपर हमले कर रहा है। ऐसी स्थिति लगातार जारी नहीं रह सकती। उसे लेबनान से हटना होगा। इजरायल का लेबनान पर हमला एक और नए विवाद का मोर्चा खोलने जैसा है। लेबनान की सरकार लगातार हिजबुल्लाह से पल्ला झाड़ती रही है। ऐसी स्थिति में सीधे राजधानी में हमला करने से स्थिति बिगड़ सकती है। वहीं इजरायल का कहना है कि वह इस जंग को निर्णायक मोड़ पर ही खत्म करना चाहता है। हालांकि 2024 की जंग के बाद से हिजबुल्लाह कमजोर पड़ा है। लेबनान की सरकार का उसे समर्थन नहीं है और इजरायली हमलों में उसके ज्यादातर लोग मारे जा चुके हैं। खासतौर पर टॉप लीडरशिप को इजरायल ने चुन-चुनकर खत्म किया है।

क्या है ईरान का ट्रिपल एच, जिस पर हमलावर है इजरायल : बता दें कि हिजबुल्लाह, हमास और हूती को ट्रिपल एच कहा जाता रहा है। ये तीनों समूह ईरान के समर्थन वाले माने जाते हैं। ये सभी इजरायल के खिलाफ रहे हैं। अब गाजा में हमले कर इजरायल ने एक तरफ हमास को खत्म करने की कोशिशें की हैं तो वहीं लेबनान में मिसाइलें दागकर हिजबुल्लाह को निशाना बनाया है।

स्थानीय मीडिया के अनुसार इजरायली हमले लेबनान के दक्षिणी इलाके में गांवों में हुए हैं। इसके अलावा पूर्वी क्षेत्र में बेका वैली को भी टारगेट किया गया है।

पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास पर वीजा सेवाएं स्थगित, हिंसक प्रदर्शन के चलते सुरक्षा अलर्ट जारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावासों के बाहर हिंसक प्रदर्शन और झड़पों की खबरों के बीच अमेरिकी सरकार ने सुरक्षा चेतावनी जारी की है। अमेरिकी दूतावास ने कहा कि लाहौर और कराची में जारी प्रदर्शन और हिंसा, साथ ही इस्लामाबाद और पेशावर में अतिरिक्त विरोध प्रदर्शन की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए, अमेरिकी कर्मचारियों को सीमित गतिविधि और घर पर रहने का निर्देश दिया गया है। सुरक्षा चेतावनी में अमेरिकी नागरिकों को स्थानीय समाचार पर नजर रखने, भीड़ से दूर रहने, अपने आसपास सतर्क रहने और अपने एसटीईपी रजिस्ट्रेशन को अपडेट रखने की सलाह दी गई है।

वीजा और अमेरिकी सेवाएं रद्द अमेरिकी दूतावास ने बताया कि कराची और लाहौर के वाणिज्य दूतावास, तथा इस्लामाबाद अमेरिकी दूतावास में 2 मार्च के सभी वीजा अपॉइंटमेंट और अमेरिकी नागरिक सेवाएं रद्द कर दी गई हैं। 'रद्द कर देने चाहिए पाकिस्तानियों के सभी वीजा' गौरतलब है कि कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर हिंसक प्रदर्शन हुए। इसके बाद एक अमेरिकी रूढ़िवादी (कंजरवेटिव) कार्यकर्ता ने अमेरिका के विदेश विभाग से मांग की है कि पाकिस्तानियों के सभी वीजा, यहां तक कि ग्रीन कार्ड भी रद्द कर दिए जाएं। लॉरा लूमर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में विदेश मंत्री मार्को रुबियो को टैग करते हुए लिखा 'अमेरिकी विदेश विभाग को पाकिस्तानियों के सभी वीजा और ग्रीन कार्ड भी जब तक संभव हो, निलंबित कर देने चाहिए।' उनकी यह मांग कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास परिसर के बाहर हिंसक प्रदर्शन और झड़पों की खबरों के बाद आई है। लूमर ने दावा किया कि पाकिस्तान में ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत से नाराज छह प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए, ये लोग अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के कड़ी सुरक्षा वाले परिसर में घुसने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि आज दोपहर दोबारा घुसने की कोशिश करने के दौरान कई अन्य लोगों को गोली लगी और उनकी मौत हो गई। हालांकि अमेरिकी विदेश विभाग ने उनकी इस मांग पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

जापान : वोल्केनो आइलैंड्स पर आया 6.1 तीव्रता का भूकंप

हॉन्ग कॉन्ग, एजेंसी। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेस ने बताया कि सोमवार को सुबह 03:55 जीएमटी पर जापान के वोल्केनो आइलैंड्स क्षेत्र में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि इस भूकंप का केंद्र 10.0 किमी की गहराई पर था। इससे पहले 21 जनवरी 2026 को यूएसजीएस ने वोल्केनो आइलैंड्स, जापान क्षेत्र में 6.1 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया था, जिसकी गहराई 25.5 किमी (15.8 मील) थी। ईएमएससी ने भी इसी तीव्रता और गहराई की पुष्टि की।

भूकंप का केंद्र साइपन से 937 किमी उत्तर-पश्चिमोत्तर, टिनियन से 957 किमी उत्तर-पश्चिमोत्तर और गुआम (यिगो और डेडेडो) से लगभग 1,090 किमी उत्तर-पश्चिम-उत्तर में स्थित था। इस भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं था। वोल्केनो आइलैंड्स इजु-बोनिन-मैरियाना आर्क का हिस्सा हैं, जो एक सबडक्शन जोन है। यहां प्रशांत महासागरीय प्लेट फिलिपीनी सी प्लेट के नीचे दबती है। इस क्षेत्र में अक्सर मध्यम गहराई वाले भूकंप आते हैं, जो मुख्य

रूप से इस दबती प्लेट में फॉल्टिंग की वजह से होते हैं।

इस क्षेत्र में 6.0-6.5 तीव्रता के भूकंप आम हैं और आमतौर पर सतही नुकसान या सुनामी का कारण नहीं बनते। जापान भी दुनिया के सबसे सक्रिय टेक्टोनिक क्षेत्रों में आता है, जहां गहरे महासागरीय खांचे और ज्वालामुखीय आर्क की जटिल चार-आर्क प्रणाली मौजूद है। देश के लगभग 80 प्रतिशत भूकंप यहीं से आते हैं, जो शक्तिशाली सबडक्शन फोर्स की वजह से होते हैं।

'हिजबुल्ला के इस्राइल पर हमले गैर-जिम्मेदाराना: लेबनान प्रधानमंत्री नवाफ सलाम

लेबनान, एजेंसी। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने दक्षिणी लेबनान से इस्राइल की ओर दागे गए रॉकेट हमलों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ऐसे कदम देश की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं और इस्राइल को हमले जारी रखने का बहाना देते हैं। उन्होंने बिना किसी संगठन का नाम लिए कहा कि दक्षिणी लेबनान से रॉकेट लॉन्च करना गैर-जिम्मेदाराना और संदिग्ध कार्रवाई है, जो नागरिकों की सुरक्षा को जोखिम में डालती है और देश को नए संघर्ष की ओर धकेल सकती है।

देश को किसी नई सैन्य टकराव में घसीटने नहीं देंगे : प्रधानमंत्री सलाम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सरकार देश को किसी नई सैन्य टकराव में नहीं घसीटने देगी और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ

आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

हिजबुल्ला ने क्या किया : यह बयान ऐसे समय आया है जब उग्रवादी संगठन हिजबुल्ला ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के जवाब में लेबनान से इस्राइल की ओर कई रॉकेट दागे। नवंबर 2024 में लागू हुए युद्धविराम समझौते के बाद यह पहली बार है जब हिजबुल्ला ने इस्राइल पर इस तरह का हमला किया है।

इस्राइल की कार्रवाई : रॉकेट हमलों के बाद इस्राइल ने लेबनान के हिजबुल्ला नियंत्रित इलाकों पर हवाई हमले किए। इस्राइली डिफेंस फोर्स ने कहा कि उसने लेबनान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है और हमलों के लिए हिजबुल्ला को जिम्मेदार ठहराया है। इस्राइली सेना के मुताबिक, एक रॉकेट को एयर डिफेंस सिस्टम ने इंटरसेप्ट कर लिया, जबकि बाकी खुले इलाकों में गिरे। उत्तरी इस्राइल में हमलों के दौरान एयर रेड सायरन बजाए गए। इस्राइल की आपातकालीन सेवा मागेन डेविड अदोम ने बताया कि हमलों में तत्काल किसी की मौत की सूचना नहीं है, हालांकि शेल्टर की ओर भागते समय कुछ लोगों को हल्की चोटें आईं। लेबनान और इस्राइल के बीच तनाव नवंबर 2024 के युद्धविराम के बाद से लेबनान की ओर से रॉकेट हमले बहुत कम हुए थे, लेकिन इस्राइल ने दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में खतरों को रोकने के नाम पर समय-समय पर हवाई हमले जारी रखे हैं। इससे एक दिन पहले हिजबुल्ला प्रमुख नईम कासिम ने औपचारिक श्रद्धांजलि भाषण में अयातुल्ला खामेनेई की हत्या को अपराध की पराकाष्ठा बताया था। इसके बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है।

मध्य पूर्व में फंसे हैं एक लाख से अधिक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक, विदेश मंत्री पेनी वोंग ने दी जानकारी

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री ने सोमवार को बताया कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजरायली हमलों के कारण उड़ानें रद्द होने के बाद लगभग एक लाख से अधिक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक वर्तमान में मध्य पूर्व में फंसे हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन टीवी से कहा कि सरकार मध्य पूर्व में फंसे नागरिकों के लिए विशेष वापसी उड़ानें शुरू करने वाली है, लेकिन इससे पहले प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य (कमर्शियल) उड़ानों के दोबारा शुरू होने का इंतजार हो रहा

है। उन्होंने कहा, 'इस क्षेत्र में बहुत लोग हैं, इसलिए अगर हम लोगों को फिलहाल कमर्शियल उड़ानों से यात्रा करने में मदद कर सकें, तो वे सबसे जल्दी घर पहुंच पाएंगे। सोमवार को जारी एक बयान में वोंग ने कहा कि सरकार अब ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को बहरीन, ईरान, इराक, इजरायल, कुवैत, लेबनान, फिलिस्तीन, कतर, सीरिया, संयुक्त अरब अमीरात और यमन की यात्रा न करने की सलाह दे रही है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि लोगों को जॉर्डन, ओमान और सऊदी अरब की यात्रा करने से पहले दोबारा सोचने की जरूरत है।

जो ऑस्ट्रेलियाई नागरिक पहले से ही मध्य पूर्व में हैं, उन्हें सरकार ने सलाह दी है कि वे वहां की स्थिति और स्थानीय खबरों पर नजर रखें। इसके साथ ही नागरिकों को अपनी यात्रा की जानकारी सीधे एयरलाइंस या ट्रैवल एजेंट से कंफर्म करने, अपने ट्रैवल इंश्योरेंस की जांच करने के साथ ही और ताजा जानकारी से अपडेट रहने के लिए कहा गया है। वोंग ने बताया कि विदेश मामलों और व्यापार विभाग ने मध्य पूर्व में मौजूद ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों की मदद के लिए एक सेंटर स्थापित किया है। उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने कहा कि सरकार ने वहां तैनात लगभग 100 रक्षा कर्मियों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में तबाह हुए नूर खान बेस पर अफगानिस्तान का हमला, मारे गए 35 पाकिस्तानी सैनिक

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले चार दिनों से दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने हैं। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बड़ी घोषणा की है। उन्होंने बताया, अफगान वायुसेना ने पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों पर सटीक हवाई हमले किए हैं। इस कार्रवाई से दोनों पड़ोसी देशों के बीच हालात और ज्यादा बिगड़ गए हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में अफगान रक्षा मंत्रालय ने बताया कि हमले रावलपिंडी के नूर खान एयरबेस पर हुए। इसके अलावा बलूचिस्तान के क्वेटा में 12वीं डिवीजन के मुख्यालय और खैबर पख्तूनख्वा की मोहमंद एजेंसी में ख्वाजाई कैंप पर भी बमबारी की गई। तालिबान का दावा है कि उन्होंने पाकिस्तान के कई अन्य जरूरी सैन्य कमांड सेंटरों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह ऑपरेशन पाकिस्तानी सेना की हालिया घुसपैठ का बदला है। पाकिस्तान ने पिछले दिनों काबुल और बगराम एयरबेस पर हमले किए थे। मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तान ने फिर से अफगान हवाई सीमा का उल्लंघन किया या कोई आक्रामक हरकत की, तो उसे और भी कड़ा और निर्णायक जवाब मिलेगा। यह तनाव तब और बढ़ गया जब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ खुली जंग का एलान कर दिया। पाकिस्तान ने शुक्रवार को काबुल और कंधार में एयरस्ट्राइक की थीं। इसके कुछ घंटों बाद ही अफगान सेना ने जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। रावलपिंडी का नूर खान एयरबेस पाकिस्तान की वायुसेना के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसे मई 2025 में भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के समय भी निशाना बनाया गया था। उस हमले में बेस के ढांचे को काफी नुकसान पहुंचा था।

टोलो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबान ने रात भर चले हमलों में 32 पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने का दावा किया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उनकी 203 मंसूरी, 201 सिलाब और 205 अल-बद्र कॉर्प्स ने इन ऑपरेशनों को पूरा किया। इस दौरान 10 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए, 10 घायल हुए और चार सैन्य चौकियां पूरी तरह तबाह हो गईं। अफगान सेना ने पाकिस्तान के दो सैन्य ड्रोन भी मार गिराए हैं।

ईरान पर मिसाइलें बरसाने के लिए ब्रिटेन ने अमेरिका को दिया अपना मिलिट्री बेस

लंदन, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में युद्ध के महायुद्ध में तब्दील होने का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। ईरान पर अमेरिका और इजरायली हमले थमते नजर नहीं आ रहे हैं। वहीं ईरान ने भी पूरी ताकत से पलटवार करते हुए खाड़ी देशों में अमेरिकी बेस को निशाना बनाया है। यूईए, कुवैत जैसे देशों में धमाकों की आवाजें गूंज रही हैं। इस बीच अब ब्रिटेन ने ईरान पर मिसाइलें बरसाने के लिए अपना मिलिट्री बेस अमेरिका को देने का ऐलान कर दिया है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने रविवार को कहा है कि उनके देश ने ईरानी मिसाइलों के खिलाफ हमलों के लिए ब्रिटिश बेस का इस्तेमाल करने के लिए अमेरिका के अनुरोध को मान लिया है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो मैसेज शेयर करते हुए कहा, 'अमेरिका ने कुछ खास और लिमिटेड डिफेंसिव मकसद के लिए ब्रिटिश बेस का इस्तेमाल करने की अनुमति मांगी है। हमने ईरान को पूरे इलाके में मिसाइल दागने से रोकने के लिए इस अनुरोध को मानने का फैसला किया है।'

क्या बोले स्टारमर : हालांकि स्टारमर ने इस दौरान दोहराया है कि ब्रिटेन शनिवार को ईरान पर हुए अमेरिकी इजरायली एयर स्ट्राइक में शामिल नहीं था। उन्होंने ईरान पर आरोप लगाते हुए कहा कि ईरान ने पूरे इलाके में लगातार हमले किए हैं और उसकी मिसाइलों ने उन एयरपोर्ट और होटलों को निशाना बनाया है जहां ब्रिटिश नागरिक ठहरे हुए थे।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमले फैसला किया था कि ब्रिटेन ईरान पर हमलों

में शामिल नहीं होगा यह फैसला हमने सोच-समझकर लिया था क्योंकि हमारा मानना ??है कि इस इलाके और दुनिया के लिए आगे बढ़ने का सबसे अच्छा तरीका बातचीत से समझौता करना है। लेकिन फिर भी ईरान ब्रिटिश हितों पर हमला कर रहा है और ब्रिटिश लोगों को बहुत बड़े खतरे में डाल रहा है।'

ईरान ने खाई कसम : ब्रिटिश प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात, कतर और कुवैत सहित अन्य खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डों को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। ईरानी कार्रवाई को अमेरिका और इजरायल द्वारा पहले किए गए संयुक्त हमलों का प्रतिशोध बताया गया है। ईरान ने सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या का बदला लेने की कसम भी खाई है।

साइप्रस में ब्रिटिश बेस पर ड्रोन से हमला : इस बीच स्काई न्यूज ने ब्रिटिश के रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया कि साइप्रस में ब्रिटेन के रॉयल एयर फोर्स बेस अक्रोटिरी पर एक संदिग्ध ड्रोन हमला हुआ है। साइप्रस ने भी ड्रोन हमले की पुष्टि की है जिसमें द्वीप पर एक ब्रिटिश बेस को निशाना बनाया गया है और काफी नुकसान भी हुआ है। हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

बेल्जियम ने जब्त किया रूस का संदिग्ध शैडो फ्लीट तेल टैंकर : ब्रसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम के रक्षा मंत्री थियो फ्रेंकेन ने रविवार को घोषणा की कि उनकी सेना ने रूसी शैडो फ्लीट के एक तेल टैंकर को जब्त कर लिया है। एथेरा नामक यह जहाज यूरोपीय संघ की प्रतिबंध सूची में शामिल है और इसे जीब्रूग बंदरगाह ले जाया गया है। रक्षा मंत्री ने बताया कि जहाज पर फर्जी झंडे और दस्तावेजों के साथ चलने का संदेह है। यूक्रेन युद्ध के कारण लगे प्रतिबंधों से बचने के लिए रूस ऐसे टैंकरों का उपयोग करता है। फ्रेंकेन ने कहा कि रूस के युद्ध को रोकने के लिए इन जहाजों को हटाना जरूरी है। वहीं, रूस ने अपने जहाजों की जब्ती को समुद्री डकैती करार दिया है।

मध्य पूर्व संकट: 'बहुत शुक्रगुजार हूं', भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु सुरक्षित घर लौटीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण फ्लाइट ऑपरेशन सस्पेंड होने के बाद तीन दिन तक दुबई में फंसी रहने के बाद सुरक्षित घर लौट आई हैं। सिंधु मंगलवार से शुरू होने वाले मशहूर ऑल इंग्लैंड ओपन के लिए बर्मिंघम जा रही थीं और रास्ते में दुबई में उनका एक लेओवर था। लेकिन दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण फ्लाइट में बड़ी रुकावट के कारण दुबई एयरपोर्ट पर फंस गईं।

सिंधु ने X पर पोस्ट किया, 'बैंगलोर में घर वापस आ गई हूं और सुरक्षित हूं। पिछले कुछ दिन बहुत मुश्किल और अनिश्चित रहे हैं, लेकिन मैं अपने घर वापस आकर सच में बहुत शुक्रगुजार हूं। शानदार ग्राउंड टीमों, दुबई अथॉरिटीज, एयरपोर्ट स्टाफ, इमिग्रेशन और हर उस इंसान का दिल से शुक्रिया जिन्होंने इस मुश्किल समय में आगे आकर हमारा इतना अच्छा ख्याल रखा। हमदर्दी और प्रोफेशनलिज्म शब्दों से कहीं ज़्यादा मायने रखता है। अभी के लिए आराम करने, खुद को रीसेट करने और अगले कदम तय करने का समय है।'

इससे पहले सिंधु ने सोमवार को दुबई से अपना डरावना अनुभव शेयर करते हुए कहा था कि पिछले कुछ घंटे 'बहुत टेंशन वाले' रहे हैं क्योंकि दुबई एयरपोर्ट पर जहां वह और उनकी टीम छिपी हुई थीं, उसके बहुत करीब इंटरसेप्शन और धमाकों की आवाजें आ रही थीं। सिंधु ऑल इंग्लैंड ओपन में हिस्सा नहीं ले पाईं, जहां उन्हें पहले राउंड में थाईलैंड की सुपनिडा कटेथोंग से भिड़ना था, लेकिन उनके कुछ साथी शटलर बिना किसी ट्रैवल प्रॉब्लम के बर्मिंघम पहुंचने में कामयाब रहे।

भारत और इंग्लैंड की टीमें एक दूसरे को बखूबी जानती हैं : सैम करन

मुंबई (एजेंसी)। भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल से पहले इंग्लैंड के सैम करन ने कहा कि दोनों टीमें एक दूसरे के खिलाफ इतना खेल चुकी हैं कि कुछ छिपाने के लिये नहीं है लेकिन उन्हें अपनी टीम से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद है । इंग्लैंड ने 2022 में भारत को सेमीफाइनल में दस विकेट से हराने के बाद खिताब जीता था जबकि भारत ने 2024 में इंग्लैंड को 78 रन से हराने के बाद खिताब जीता था।

करन ने वानखेड़े स्टेडियम पर इंग्लैंड के अभ्यास सत्र से पहले कहा, 'इस मैदान पर हम काफी खेल चुके हैं लिहाजा कुछ छिपा नहीं है।' उन्होंने कहा, 'हमारे पास अभ्यास के लिये दो दिन का समय है जिससे हालात के अनुकूल ढलने में मदद मिलेगी। इन स्टेडियमों में हम इतना खेल चुके हैं कि अलग अलग हालात की आदत हो गई है। हम भारतीय खिलाड़ियों के साथ बहुत खेलते हैं तो कुछ भी छिपा नहीं है।'

इंग्लैंड का इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन उतार चढाव भरा रहा है जिसने नेपाल को बमुश्किल चार रन से हराया। सुपर आठ में पाकिस्तान को दो विकेट से मात दी। करन ने कहा, 'पिछला प्रदर्शन अब मायने नहीं रखता। यह विश्व कप सेमीफाइनल है और हम इसमें अपना परफेक्ट खेल दिखाएंगे।'

वानखेड़े स्टेडियम पर भारत के समर्थकों का शोर रहेगा लेकिन करन को पता है कि उन्हें खामोश कैसे करना है। उन्होंने कहा, 'यह शानदार स्टेडियम है। मुझे यकीन है कि बृहस्पतिवार की रात यह स्टेडियम खामोश रहेगा। भारतीय टीम शानदार है लेकिन हमारे अधिकांश खिलाड़ियों ने उसके खिलाफ और आईपीएल में खेला है। हम किसी चीज से भयभीत नहीं हैं और दोनों टीमें सेमीफाइनल की चुनौती को लेकर रोमांचित होंगी।'

आईसीसी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में मंधाना शीर्ष पर पहुंची

–गेंदबाजी रैंकिंग में अलाना किंग नंबर एक पहुंची

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी हैं। मंदाना को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट दूसरे नंबर पर खिसक गयी हैं। मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज़ में 58 और 31 रन रन बनाये थे जिससे उनके रेटिंग अंक 790 हो गये हैं। । इसके साथ वह वोल्वार्ड्ट के 782 अंकों से आगे निकल गयी हैं। बेथ मूनी 745 अंकों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं।

वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तान एलीसा हीली चौथे नंबर पर बनी हुई हैं। हीली ने अपने करियर के अंतिम एकदिवसीय में शतक लगाया था। हीली के 744 रेटिंग पॉइंट्स हैं जबकि बेथ मूनी के 749 और एसलीगेह गार्डनर के 724 अंक हैं। वहीं भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर चार स्थान ऊपर आकर शीर्ष दस में पहुंच गयी हैं। वह नौवें स्थान पर हैं। भारत की ही मिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर बनी हुई हैं।

वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में भी काफी बदलाव आया है। ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर अलाना किंग 775 रेटिंग अंक के साथ नंबर-1 बन गई हैं। उन्होंने लगभग चार साल तक नंबर एक पर रहीं। सोफी ऐसलेस्टोन को पीछे छोड़ दिया। अलाना ने सीरीज़ में 16.71 की औसत से सात विकेट लिए, जिसमें तीसरे एकदिवसीय में चार विकेट शामिल हैं। इसके अलावा

ऑलराउंडरों की रैंकिंग में एशलेगाह गार्डनर 516 अंकों के साथ नंबर-1 पर हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज की हेली मैथयूज (418) पर लगभग 100 अंकों की बढ़त बनायी है। भारत की दीप्ती शर्मा गेंदबाजी रैंकिंग में 10वें और ऑलराउंडर सूची में पांचवें स्थान पर मौजूद हैं।

टी20 विश्वकप : आज पहले सेमीफाइनल में होगा दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड का मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 के पहले सेमीफाइनल में बुंधवार को पिछले बार की उपविजेता दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। इस मुकाबले को जीतकर दोनो ही टीमें फाइनल में पहुंचने के इरादे से उतरेंगी।

दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सभी मैच जीतकर यहां तक का सफर तय किया है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं। जिससे उसी जीत की दावेदारी मजबूत है। वहीं दूसरी ओर कीवी टीम भी कम नहीं है। वह भी इस बार खिताबी मुकाबले में पहुंचने पूरी ताकत लगा देगी। न्यूजीलैंड की टीम ग्रुप स्तर पर अफ्रीकी टीम के हाथों मिली हार से उबरकर इस मैच में अपनी ओर से जीत का पूरा प्रयास करेगी। वहीं न्यूजीलैंड की टीम मुश्किल से सेमीफाइनल तक पहुंची है। इससे उसे अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में सुधार करना होगा।

अफ्रीकी टीम ने सुपर 8 स्टेज में शानदार प्रदर्शन के बाद यहां पहुंची हैं, इसमें उन्होंने पहले पिछले बार की विजेत भारत को 76 रन से हराया था। इसके बाद वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराने के बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ करीबी जीत के साथ सुपर 8 चरण का अंत किया।

दूसरी ओर न्यूजीलैंड का सुपर 8 अभियन सामानय रहा जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ उनका पहला मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था। टीम ने श्रीलंका के खिलाफ अपने अगले मैच में 61 रन से जीत दर्ज की। वहीं उसे इंग्लैंड के खिलाफ करीबी हार का सामना करना पड़ा पर अच्छे नेट रन रेट के साथ वह अंतिम चार में आ गयी। आंकड़ों पर नजर डालें तो दक्षिण अफ्रीका का पलड़ा भारी है। अंतर्राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में अब तक दोनों टीमों का 19 बार मुकाबला हुआ है, जिनमें 12 बार दक्षिण अफ्रीका जीती है जबकि 7 बार ही कीवी टीम जीत हासिल कर पाई है।

विश्वकप में कभी नहीं जीत पायी कीवी टीम

वहीं अगर टी20 विश्व कप के आंकड़ों को देखें तो दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड का 5 बार आमना-सामना हुआ है। विश्व कप में हर बार दक्षिण अफ्रीका जीता है।

इस बार दक्षिण अफ्रीकी टीम अब तक पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही है। पहले उसने ग्रुप स्टेज में चारों मैच जीतकर टॉप किया, फिर सुपर-8 में भी दबदबा बनाए रखा और अपने तीनों मैच जीते। इससे साफ है कि उसे रोकना कीवियों के लिए काफी कठिन होगा। .

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दक्षिण अफ्रीका– एडेन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डी कॉक, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, मार्को यान्सन, केशव महाराज, कगिसो रबाडा, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी, जेसन स्मिथ, जॉर्ज लिंडे, कॉर्बिन बॉश, एनरिक नॉर्खिया, ट्रिस्टन स्टब्स और रायन रिकल्टन।

न्यूजीलैंड– मिचेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फॉर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, जिमी निशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सईफर्ट, ईश सोढ़ी, काइल जेमिसन, कॉल मैककॉन्ची

बावुमा को दक्षिण अफीकी टीम के खिताब जीतने की उम्मीदें

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर टेम्बा बावुमा इस बार टी20 विश्वकप में अपनी टीम के प्रदर्शन से बेहद खुश हैं। वावुमा को उम्मीद है कि इस बार उनकी टीम खिताब अवश्य जीतेगी। दक्षिण अफ्रीका को अब बुधवार को सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से खेलना है। टीम पिछले बार उपविजेता रही थी। तब उसे फाइनल में भारतीय टीम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। बावुमा ने कहा कि उनकी टीम ने अपनी सभी कमजोरियों को दूर कर लिया है और वह विश्वकप जीतने की प्रबल दावेदार है। साथ ही कहा कि टीम के पास हर क्षेत्र में मैच का रुख बदलने वाले खिलाड़ी हैं। बावुमा ने कहा है कि अब तक बल्लेबाज एडेन मारक्रम, डेविड मिलर और तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। कप्तान ने कहा, मैं इस विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के प्रदर्शन से काफी उत्साहित हूं। टीम खेल के हर पहलू में काफी मजबूत है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी में कोई कमी नहीं है और खिलाड़ी खिताब जीतने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

छक्के लगाने के मामले में शीर्ष पर हैं अभिषेक

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का प्रदर्शन अब तक टी20 विश्वकप में अच्छा नहीं रहा है। इसके बाद भी अभिषेक सबसे कम 331 गेंदों में 50 छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। वहीं दूसरे नंबर पर एविन लुइस और तीसरे पर डेवाल्ड ब्रेविस हैं। इन दोनो ने ही 366 और 368 गेंदों पर अपने 50 छक्के पूरे किये हैं। वहीं चौथे नंबर पर आंद्रे रसेल और पांचवे पर हजरतुल्लाह जजई है। इन दोनो ने ही 409 और 492 गेंदों में अपने 50 छक्के पूरे किये हैं।

छक्के लगाने के मामले में सबसे तेजी से आगे आने वालों में उभरते हुए बल्लेबाज ब्रेविस हैं। उन्होंने आंद्रे रसेल जैसे दिग्गज को पीछे छोड़ा है। जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल सुपर 8 के मैच में ब्रेविस ने 18 गेंदों में ही 2 चौके और 4 छक्के लगाकर 42 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 233.33 का था। इसी दौरान ही इस बल्लेबाज ने टी20 क्रिकेट में अपने 50 छक्के भी पूरे किए।

सूर्यकुमार बने टी20 मे सबसे सफल भारतीय कप्तान

-50 मैचों में जीत प्रतिशत के मामले में विश्व में दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव अब इस प्रारुप में भारतीय टीम के नंबर एक कप्तान बन गये हैं। सूर्यकुमार ने सबसे सफल कप्तान के तौर पर रोहित शर्मा समेत विराट कोहली और महेन्द्र सिंह धोनी को भी पीछे छोड़ दिया है। सूर्यकुमार का अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जीत का औसत कप्तान के तौर पर सबसे अच्छा हो गया है। अगर देखा जाये तो 50 मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी करने वाले किसी भी कप्तान का जीत औसत इतना नहीं है, जितना की सूर्यकुमार यादव का है। वह सबसे अधिक जीत प्रतिशत के मामले में विश्व के दूसरे कप्तान हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर 8 के अंतिम मैच में उतरते ही सूर्यकुमार 50 मैचों में कप्तानी करने वाले भारतीय कप्तान बन गये। इस मैच में भारतीय टीम को जीत मिली और ये उनकी कप्तानी में टीम की 40वीं जीत थी। इसी के साथ उन्होंने रोहित और विराट का रिकॉर्ड तोड़ दिया। सूर्यकुमार से पहले भारत के लिए सबसे अधिक जीत प्रतिशत का रिकॉर्ड रोहित के नाम 79.83 का था। सूर्यकुमार का जीत प्रतिशत टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 81.25 है और वह दूसरे नंबर पर हैं। वहीं अफगानिस्तान के असगर अफगान हैं ने 50 से अधिक मैचों में कप्तानी करते की है और उनका जीत प्रतिशत 81.73 का है। वहीं तीसरे नंबर पर भी भारत के ही विराट कोहली हैं, उनकी कप्तानी में जीत प्रतिशत 64.58 का रहा है। वहीं धोनी की कप्तानी में ये 59.28 प्रतिशत रहा है।

इजरायल-ईरान युद्ध का असर फुटबॉल विश्व कप पर, ईरान की जगह इस टीम को मिल सकता है मौका

जेनेवा (एजेंसी)। मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के बीच आगामी फुटबॉल विश्व कप में ईरान की भागीदारी पर संशय गहरा गया है। अमेरिका की पहल पर क्षेत्र में जारी तनाव को देखते हुए तीन महीने बाद होने वाली इस बड़ी प्रतियोगिता में ईरान का खेलना संदिग्ध माना जा रहा है। ऐसी स्थिति में उसकी जगह इराक या संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को मौका मिल सकता है।

अमेरिका में होने हैं ईरान के ग्रुप मैच

ईरान को ग्रुप चरण के अपने तीनों मैच अमेरिका में खेलने हैं। उसे ग्रुप जी में रखा गया है, जहां 15 जून को इंग्लेवुड (कैलिफोर्निया) में न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम से मुकाबला करना है। इसके बाद 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ अंतिम ग्रुप मैच खेलना निर्धारित है।

बढ़ते संघर्ष से स्थिति जटिल

अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद ईरान द्वारा जवाबी कार्रवाई किए जाने से क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने कतर और सऊदी अरब जैसे अमेरिकी सहयोगी देशों पर मिसाइलें दागीं। इसी बीच, फीफा ने सऊदी अरब को 2034 विश्व कप की मेजबानी सौंपी है।

एशियाई फुटबॉल महासंघ के उपाध्यक्ष और ईरान के शीर्ष फुटबॉल अधिकारी Mehdi Taj ने कहा, 'इस हमले के बाद विश्व कप में भागीदारी को लेकर हम आशान्वित नजरिए से नहीं देख सकते।'

फीफा की चुप्पी, भविष्य अनिश्चित

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान 11 जून से शुरू होने वाले विश्व कप के लिए टीम भेजेगा या नहीं, अथवा अमेरिका सरकार उसके प्रवेश पर रोक लगाएगी। फीफा ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। ईरान एशियाई फुटबॉल की मजबूत टीम मानी जाती है और उसने पिछले आठ में से छह विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है।

आर्थिक नुकसान और संभावित विकल्प

यदि ईरान विश्व कप से हटता है तो उसके फुटबॉल महासंघ को कम से कम 10.5 मिलियन डॉलर का नुकसान होगा और उस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। ऐसी स्थिति में एशिया से इराक या यूएई संभावित विकल्प हो सकते हैं।

इराक एशियाई क्वालीफाइंग में नौवें स्थान पर रहा और उसने प्लेऑफ में यूएई को हराया। अब उसे 31 मार्च को बोलीविया या सूरीनाम के खिलाफ मुकाबला खेलना है। जीत की स्थिति में वह सीधे विश्व कप में पहुंच सकता है, जबकि हार की स्थिति में भी ईरान के हटने पर उसे मौका मिल सकता है।

अब सीओई में कोच के तौर पर तेज गेंदबाजों को निखारेंगे जहीर

मुम्बई। पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान अब कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। जहीर को बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में तेज गेंदबाजों को कोचिंग देने की जिम्मेदारी दी गयी है। जहीर को ऑस्ट्रेलिया के ट्रॉय कूली की जगह पर कोच बनाया गया है। कूल का चार साल का कार्यकाल समाप्त हो गय है। वह अब इंग्लैंड टीम के तेज गेंदबाजी विशेषज्ञ कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। जहीर कोचिंग भूमिका निभाने को लेकर काफी उत्साहित हैं। वह पहले आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट के कोच रहे हैं। ऐसे में उन्हें कोचिंग का अच्छा अनुभव है। माना जा रहा है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025–27 चक्र को देखते हुए जहीर को गेंदबाजों को निखारने की जिम्मेदारी दी गयी है। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जसप्रीत बुमराह सभी मैच नहीं खेल सके थे, जिससे टीम का संतुलन कमजोर पड़ा था। तब मोहम्मद सिराज ने गेंदबाजी की कमान संभाली थी पर बोर्ड चाहता है कि उसके पास बेहतर तेज गेंदबाजों का एक पूल होना चाहिये जो किसी भी प्रकार के कठिन हालातों पर नियंत्रण कर सके। नवंबर 2026 में न्यूजीलैंड दौरे को ध्यान में रखते हुए भारतीय टीम अपनी तेज गेंदबाजी आक्रमण को बेहतर बनाना चाहती है। इसके अलावा चयन समिति की नजरें घरेलू क्रिकेट के उभरते सितारों पर भी है। रणजी ट्रॉफी 2025–26 में जम्मू–कश्मीर के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले आकिब नबी पर भी उसकी नजरें हैं। अकीब आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स से खेलेंगे।

टी20 विश्वकप के शीर्ष पांच बल्लेबाजों और गेंदबाजों में केवल एक–एक भारतीय

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट में भारत सहित चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। ऐसे में अब तक लीग स्तर से लेकर सुपर–8 तक के मुकाबलों को देखें तो अब तक पांच बल्लेबाजों और पांच गेंदबाजों का इस टूर्नामेंट में दबादबा रहा है। इन शीर्ष पांच बल्लेबाजों में एक ही भारतीय सूर्यकुमार यादव हैं। वहीं पांच गेंदबाजों में भारत के एकमत्र वरुण चक्रवर्ती भी शामिल है। शीर्ष 5 बल्लेबाजों की बात करें तो पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान नंबर एक पर हैं। उन्होंने 6 मैचों में 383 रन बनाए हैं हालांकि पाकी टीम हार के साथ ही टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। वहीं दूसरे नंबर पर ब्रायन बेनेट हैं, जिन्होंने जिम्बाब्वे के लिए 292 रन बनाए हैं और उनकी टीम भी इस टूर्नामेंट से हार हो गयी है। तीसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम हैं, जो 268 रन बना चुके हैं। उनकी टीम सेमीफाइनल में है और ऐसे में उनके पास और आगे जाने का अवसर है। चौथे नंबर पर वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर हैं, जिन्होंने 248 रन बनाए हैं पर उनकी भी टीम बाहर हो चुकी है। पांचवें नंबर पर 231 रनों के साथ सूर्यकुमार यादव हैं। सूर्या शीर्ष 5 में एकमात्र भारतीय हैं और टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने से उनके पास ओर रन बनाने का अवसर है।

वहीं दूसरी ओर गेंदबाजी की बात करें तो– सबसे अधिक विकेट लेने की सूची में अमेरिक के शैडली वैन शाल्कविक हैं उनकी टीम सुपर–8 तक भी नहीं पहुंची पर उनके नाम चार मैचों में सबसे अधिक 13 विकेट हैं। जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजारबानी के नाम 6 मैचों में 13 विकेट हैं और वह दूसरे नंबर पर हैं उनकी टीम भी टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। तीसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के लुंगी एनगिडी हैं, उनके नाम 12 विकेट हैं और सेमीफाइनल में भी टीम पहुंची है। वही भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी 12 विकेट लेकर इस सूची में शामिल हैं। भारतीय टीम भी सेमीफाइनल में है उनके विकेटों की संख्या बढ़ना तय है। पांचवें स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के कोर्बिन बोस हैं, उनके नाम 11 विकेट हैं और उनकी टीम भी सेमीफाइनल में पहुंची है।।

पाक के पूर्व क्रिकेटर आमिर ने भारतीय टीम के प्रदर्शन पर उठाये सवाल

लाहौर। टी20 विश्वकप से बाहर हुई पाकिस्तान टीम के पूर्व खिलाड़ी भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने से चिढ़े हुए हैं। इसका अंदाजा इसी से होता है कि पाक के पूर्व खिलाड़ी मोहम्मद आमिर ने भारतीय टीम के समीफाइनल में पहुंचने के बाद भी उसके प्रदर्शन पर सवाल उठाये हैं पर बल्लेबाज संजू सैमसन की प्रशंसा की है। आमिर ने विश्वकप शुरु होने से पहले कहा था भारतीय टीम सेमीफाइन में नहीं पहुंच पायेगी। उन्होंने तब कहा था कि भारतीय टीम के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं है और उसके कई कमजोर पक्ष है जिससे वह अंतिम चार में नहीं पहुंच पायेगी पर पाक टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी लेकिन आमिर की ये भविष्यवाणी गलत साबित हो गयी। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर उनका मजाक उड़ रहा है। वहीं आमिर ने सैमसन की नाबाद 97 रन की पारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की पारी खेलना आसन नहीं होता। आमिर के अनुसार सैमसन की कठिन हालातों में खेली पारी से भारतीय टीम जीती पर इसके बाद भी सेमीफाइनल उसके लिए आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि एक शानदार पारी टीम की कमजोरियों को समाप्त नहीं कर सकती। आमिर के अनुसार भारतीय टीम की फील्डिंग अच्छी नहीं है उसने मैच के दौरान कई कैच छोड़े हैं। इसके अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अलावा अन्य गेंदबाजों ने काफी अधिक रन दिये हैं। टीम एक ही गेंदबाज पर टिकी हुई है।

सेमीफाइल में जैक्स से भारतीय टीम को रहना होगा सावधान : गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि भारतीय टीम को गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे सेमीफाइनल में मेहमान टीम के ऑलराउंडर विल जैक्स से सतर्क रहना होगा। गावस्कर के अनुसार जैक्स अभी अच्छे फार्म में हैं, ऐसे में उनपर अंकुश लगाये रखना जरुरी होगा। गावस्कर ने कहा कि अगर पिच से थोड़ी भी स्पिन मिली तो जैक्स को खेलना भारतीय टीम के लिए काफी मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या को इस मैच में पूरी जिम्मेदारी से बल्लेबाजी करनी होगी। गावस्कर के अनुसार सैमसन, सूर्यकुमार और पंड्या के प्रदर्शन से ही इस मैच का परिणाम तय होगा। उन्होंने कहा कि जैक्स सातवें नंबर पर उतरकर मैच की दिशा बदल सकते हैं, इसलिए उनपर दबाव बनाये रखना जरुरी रहेगा। वह वही भूमिका निभाते हैं जो भारत के लिए शिवम दुबे निभाते हैं।

जैक्स ने अब तक इस टूर्नामेंट में चार बार 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड जीता है। उन्होंने कई अवसरों पर टीम को कठिन हालातों से उबारा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ जैक्स ने 18 गेंदों में नाबाद 32 रन बनाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया था। वहीं श्रीलंका के खिलाफ कम स्कोर वाले मुकाबले में भी उसने तेजी से रन बनाने के बाद 3 अहम विकेट श्रीलंकाई टीम को लक्ष्य तक पहुंचने से रोक दिया। पावरप्ले में वह ऑफ स्पिन गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को विकेट गंवाने के लिए ललचा सकते हैं। जैक्स आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते आये हैं। इसलिए वह वानखेड़े की मैदान को भली भांति जानते हैं। वह भारतीय टीम के खिलाफ पहली बार किसी टी20 मैच में खेल रहे हैं। ऐसे में वह और भी खतरनाक साबित हो सकते हैं क्योंकि अधिकतर बल्लेबाज पहली बार उनका सामना करेंगे। गावस्कर ने कहा कि दोनो ही टीमें आफी अच्छी हैं, ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। वहीं वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय टीम का सेमीफाइनल रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। उसे । 1987 एकदिवसीय विश्वप सेमीफाइनल में इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था जबकि साल 2016 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में वह वेस्टइंडीज से हारी पर 2011 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में उसने इसी मैदान पर श्रीलंका को हराकर खिताब जीता था। गावस्कर का मानना है कि पुराने रिकॉर्ड से आज के हालातों में फर्क नहीं पड़ता और भारतीय टीम फाइनल तक जाने में सक्षम हैं।

हर परिस्थिति में खुद को रखें कॉन्फिडेंट

नौकरी के दौरान अक्सर एक जैसा काम करते हुए हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जिसमें जरा-सा बदलाव भी हमें असहज कर देता है। नौकरी के दौरान अक्सर एक जैसा काम करते हुए हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जिसमें जरा-सा बदलाव भी हमें असहज कर देता है। लगातार सुविधापूर्ण स्थिति में आत्ममुग्ध रहना एक तरह से 'असुविधा'' को ही दावत देना है। अगर आप भी कंफर्ट जोन में खुद को 'कंफर्टेबल' मानकर चल रहे हैं, तो वक्त रहते संभल जाएं और ऐसा करके ही आप खुद को हर परिस्थिति में कॉन्फिडेंट रख सकेंगे।

सदाशिव पढ़ाई में अच्छे हैं। दिखने में समझदार। नौकरी जल्द शुरू कर दी थी। कुछ ही साल में अपनी पहचान भी बना ली और एक वरिष्ठ अधिकारी के लिए अलग से काम करके उनका विश्वास भी हासिल कर लिया। इसका उन्हें फायदा भी मिलता रहा। पद और प्रतिष्ठा तो मिली ही, कई बार विदेश जाने का अवसर भी मिला। मगर कई साल ऐसे ही बीतने के कारण सदाशिव आत्ममुग्धता के शिकार होते चले गए। प्रभावशाली अधिकारी का संरक्षण मिला होने के कारण वे खुद को बेहद सुरक्षित महसूस करने लगे। इस बीच उन्हें कई प्रोजेक्ट मिले, पर भरपूर अवसर मिलने के बावजूद किसी में खास प्रभाव छोड़ न पाने के कारण अंतत : वे अपने मूल विभाग में ही बने रहे। यहीं उनसे चूक होती चली गई। अपने मूल विभाग के बॉस से उनकी ट्यूनिंग बनने और प्रगाढ़ होने के बजाय बिगड़ती चली गई लेकिन आत्ममुग्धता और उच्चाधिकारी की शह के कारण उन्होंने इसकी ज्यादा परवाह नहीं की। विभागीय बॉस के उपेक्षापूर्ण नजरिये से ठेस लगने के बावजूद उनका स्वाभिमान नहीं जागा और वे निश्चिंतता के साथ टाइम पास करते रहे। इतना ही नहीं, सोशल साइट्स पर भी वे खूब दिखते और अपनी बेतुकी टिप्पणियों पर खुद ही खुश हो लेते। कुछ समय बाद स्थितियां करवट लेने लगीं। प्रभावशाली अधिकारी का प्रभाव जाता रहा और एक समय ऐसा भी आया, जब उनकी जगह कंपनी में कोई और आ गया। अब सदाशिव को सचेत हो जाना चाहिए था, पर ऐसा हुआ नहीं। उनका रवैया जस का तस बना रहा। वे चाहते, तो अपने विश्वासी अधिकारी के रहते किसी और विभाग या केंद्र या प्रोजेक्ट में अच्छे पद पर शिफ्ट हो सकते थे लेकिन सुविधाजीवी और एकरस जीवन के आदी हो चुके सदाशिव ने ऐसी कोई पहल नहीं की। एक दिन जब उन्हें कुछ गलतियां बताते हुए संस्थान से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया, तब उन्हें एहसास हुआ लेकिन तब उनके पास संभलने और सुधरने का मौका नहीं था।

भंवर है कंफर्ट जोन

सदाशिव की सच्ची कहानी महज एक उदाहरण है। आपको अपने संस्थान या दूसरी संस्थाओं, विभागों में ऐसे कई लोग मिल जाएंगे, जो कंफर्ट जोन में समय बिताते हुए खुश दिखेंगे। कई लोग यह भी कहते मिल जाएंगे कि अरे भाई, नौकरी तो सुरक्षित है ही, फिर काम की टेंशन में क्यों परेशान रहें! दरअसल, ऐसे लोग यह नहीं सोचते कि इस प्रकार का रवैया रखकर वे खुद के नुकसान की ही नींव रख रहे हैं। स्थितियां हमेशा एक-सी नहीं रहतीं। जो लोग काम से जी चुराते हैं, नया सीखने-जानने में दिलचस्पी नहीं रखते, कभी पहल करके कोई काम नहीं करते, कोई काम कहने पर समाधान के बजाय तमाम तरह की समस्याएं ही गिनाने बैठ जाते हैं, टीम मेंबर्स से भी जिन्हें ढेरों शिकायतें होती हैं, सही मायने में उनका करियर हमेशा दांव पर लगा होता है। ऐसे लोगों को जब कभी कोई काम सौंपा जाता है, तो वे उसमें इतना विलंब कर देते हैं या फिर उसे इतना उलझा देते हैं कि बॉस को आगे उन्हें काम न देने के बारे में सोचना पड़ जाता है। ऐसे लोग अपनी इस कथित रणनीति पर भले ही खुश होते हों पर जरा सोचें, क्या वह बॉस कभी उनकी प्रशंसा-अनुशंसा करेगा और जब कभी डिमोशन न कर दिया गया या इंक्रिमेंट रोक लिया गया या फिर छंटनी की स्थिति में उनका नाम ही आगे बढ़ा दिया गया, तो फिर क्या उन्हें संस्थान और बॉस की आलोचना का अधिकार होना चाहिए

उपयोगिता करें साबित

आप निजी कंपनी में काम कर रहे हों या फिर सरकारी सेवा में हों, छोटे पद पर हों या बड़े पद पर, अगर आप अपने पद की जरूरतों के अनुसार खुद की उपयोगिता साबित करने का प्रयास नहीं करते, तो एक-न-एक दिन आपको जरूर नुकसान हो सकता है। अगर आप समय रहते नहीं चेतते, तो फिर आप किसी को दोष भी नहीं दे सकते। आपको कोई भी जिम्मेदारी दी जाती है, उसे उत्साह के साथ पूरा करने का प्रयास करें। अगर आपको लगता है कि उसमें बॉस से और समझने की या किसी सहयोगी की मदद लेने की जरूरत है, तो विनम्रता के साथ सहयोग लें। आपके प्रयास की गंभीरता स्पष्ट नजर आनी चाहिए। अगर आप छोटे-से-छोटे काम को भी सतर्कता के साथ बहुत अच्छी तरह पूरा करते हैं, तो निश्चित रूप से इससे आपकी छवि बेहतर होगी।

हर दिन हो नया

अगर आप एकरस जीवन से बचना और खुश रहना चाहते हैं, तो अपने काम को एंजॉय करना होगा। निष्ठा ईमानदारी से काम करेंगे, तो ज्यादा कुछ मिले-न मिले, भरपूर सुकून जरूर मिलेगा। यह आपका सबसे बड़ा रिवॉर्ड होगा। इसके अलावा गलतियों से सबक लेने, कमियों को दूर करने और हमेशा कुछ नया सीखने की ललक रखेंगे, तो आपके आत्मविश्वास का स्तर ऊंचा रहेगा और आप मुश्किल से मुश्किल काम को भी उत्साह और हौसले से कर सकेंगे। इस राह पर चलकर तरक्की की सीढ़ियां भी चढ़ते जाएंगे।

ग्रेजुएशन के बाद अमेरिका में जॉब

हाल ही में ग्रेजुएशन करने वालों के लिए अमेरिका में काम करने के लिए दो ऑप्शन हैं : ऑप्शनल प्रेक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) तथा एच1बी वीसा। ओपीटी ऐसे ताजा ग्रेजुएट्स के लिए एक कार्यक्रम है, जो अपनी पढ़ाई की फील्ड में कार्य अनुभव पाना चाहते हैं। इसके लिए दो शर्तें पूरी करना जरूरी है : पहली यह कि आपकी ओपीटी जॉब का सीधा संबंध आपकी डिग्री से होना चाहिए। मसलन, यदि आपने इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के रूप में डिग्री ली है, तो आप शेफ के रूप में नौकरी नहीं कर सकते। दूसरी शर्त यह है कि आपने जहां से डिग्री प्राप्त की है, वहां का कोई अधिकारी ओपीटी प्रोग्राम के लिए आपका नाम प्रस्तावित करे। इसलिए यह जरूरी है कि आप जहां से पढ़ाई कर रहे हैं, उस संस्थान के संपर्क में रहें और उससे अच्छे संबंध रखें। आम तौर पर ओपीटी 1 साल के लिए ही होता है। मगर यदि आपने साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग या गणित में डिग्री ली है, तो आप ओपीटी को अतिरिक्त 17 महीनों के लिए बढ़वा सकते हैं। एच1बी वीसा ऐसे लोगों के लिए है, जो किसी स्पेशिएलिटी ऑक्युपेशन में काम करते हैं। यह एक पिटिशन-बेस्ड वीसा है, यानी आपकी ओर से आपकी कंपनी इसके लिए यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) के समक्ष आवेदन करेगी। एच1बी वीसा प्राप्त करने के लिए आपको किसी यूएस एम्बेसी या कॉन्सुलेट में इंटरव्यू के लिए आना पड़ेगा। एच1बी वीसा पर आप अमेरिका में 3 साल तक काम कर सकते हैं। इसकी अवधि बढ़वाने के विकल्प भी हैं मगर कुल मिलाकर आप एच1बी वीसा पर अमेरिका में अधिकतम 6 वर्ष तक ही काम कर सकते हैं।

आपको ऊंचाइयों पर ले जाएंगे ये करियर ऑप्शन

आज हम आपको बताने जा रहे हैं गणित में 8 ऐसे करियर ऑप्शन जो आपको ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

छात्रों के बीच गणित विषय को कठिन विषय समझा जाता है, इसका नाम सुनते ही बहुत से छात्र दूर भागते हैं। परंतु यदि प्रारंभ से ही गणित विषय को सही प्रकार से हैंडिल किया जाए तो आपकी गणित पर अच्छी पकड़ हो सकती है। गणित विषय का अर्थ केवल जोड़ना, घटाना, गुणा और भाग देना नहीं है। इस विषय में उच्च शिक्षा लेकर करियर की अपार संभावनाएं हैं। गणित विषय मनुष्य की ज्ञान की एक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई क्षेत्रों को शामिल किया गया है। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है। प्राचीन काल के कई गणितज्ञों आर्यभट्ट, वराह मिहिर, महावीराचार्य, ब्रह्मगुप्त, श्रीधराचार्य इत्यादि ने तथा आधुनिक काल में डॉ गणेश प्रसाद, प्रोफेसर बीएन प्रसाद, श्रीनिवास रामानुजन इत्यादि ने गणित की सुदृढ़ नींव रखी है।

इकोनॉमिस्ट

एक इकोनॉमिस्ट आर्थिक रुझानों का अन्वेषण करके मूल्यांकन करता है। भविष्य को लेकर पूर्वानुमान जारी करता है। वह विभिन्न विषयों जैसे महंगाई, कर, ब्याज दर, रोजगार का स्तर आदि का डेटा संग्रह करता है। उस पर अनुसंधान करता है और विश्लेषण करता है। अर्थशास्त्री बनने के लिए गणित विषय को जरूरी माना जाता है। एक अर्थशास्त्री बनने के लिए अर्थशास्त्र में बैचलर डिग्री होना और गणित पर अच्छी पकड़ होना आवश्यक है। इसके बाद अर्थशास्त्र, इकोमेट्रिक्स, ऐप्लाइड इकोनॉमिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होना चाहिए।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

सॉफ्टवेर इंजीनियरिंग के छात्रों के करियर की नीव शुरू ही गणित के ज्ञान से होती है। सॉफ्टवेयर इंजीनियरों का काम सॉफ्टवेयर डिजाइन करना और उसे डेवलप करना होता है। इस काम में छात्रों को कम्प्यूटर साइंस के साथ-साथ मैथ्स की थ्योरी और उनके सिद्धांतों का प्रयोग करना पड़ता है। इस क्षेत्र में एक्सपर्ट छात्रों के लिए बहुत अच्छे विकल्प मौजूद है तथा अगले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में काफी संभावनाएं आने वाली हैं जो छात्रों के हित में मददगार साबित होंगे।

स्टैटिस्टिक्स

गणित पर जिनको महारत हासिल है उनके लिए स्टैटिस्टिक्स में कैरियर बनाना बहुत अच्छा विकल्प है। सांख्यिकीविद को डाटा का विश्लेषण करना, परिणामों को पाइ चार्ट्स, बार ग्राफ, टेबल के रूप में प्रस्तुत करने का काम करना होता है। हेल्थ केयर, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में सांख्यिकीविद की काफी मांग होती है। सांख्यिकीविद बनने के लिए आपके पास मैथमेटिक्स स्टैटिस्टिक्स में स्नातक की डिग्री या फिर स्टैटिस्टिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होनी चाहिए।

चार्टर्ड एकाउंटेंट

चार्टर्ड एकाउंटेंट बनने का पहला रूल ही गणित में दक्ष होना है। क्योंकि चार्टर्ड एकाउंटेंट यानि कि सीए का पूरा काम एकाउंटिंग, ऑडिटिंग और टैक्सेशन से जुड़ा होता है। अर्थवय्वस्था में तेजी से वृद्धि के चलते फाइनेंस और एकाउंट से जुड़े क्षेत्रों में करियर के काफी स्कोप जुड़ते जा रहे हैं जो गणित में रूचि रखने वाले छात्रों के लिए एक अच्छा करियर विकल्प का मार्ग है।

ऑपरेशन रिसर्च एनालिस्ट

इससे जुड़े काम को एप्लाइड मैथ्स और फॉर्मल साइंस की एक शाखा के रूप में ही समझा जाता है। इसमें आधुनिक लॉजिकल विधियों जैसे की स्टैटिस्टिकल एनालिसिस और मैथमेटिकल ऑप्टिमाइजेशन का प्रयोग किया जाता है। ऑपरेशन रिसर्च एनालिस्ट इन्हीं आधुनिक विधियों कि मदद से मैनेजर को सही निर्णय लेने और समस्याओं के समाधान के लिए सुझाव प्रदान करते है।

बैंकिंग

अगर आपकी गणित में अच्छी पकड़ है तो आप बैंकिंग क्षेत्र में आप एकाउंटेंट, कस्टमर सर्विस, फ्रंट डेस्क, कैश हैंडलिंग, एकाउंट ओपनिंग, करंट एकाउंट, सेविंग एकाउंट, लोन प्रोसेसिंग ऑफिसर, सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिकवरी ऑफिसर के प्रोफाइल्स के लिए भी कोशिश कर अपना भविष्य बना सकते है क्यूंकि इन सभी में मैथमेटिकल स्किल्स का होना जरूरी है।

मैथमेटिशियन

अगर आप मैथ को दिल से प्यार करते हैं और इसमें सबसे ज्यादा माहिर हैं, तो मैथमेटिशियन बनना आपके लिए सबसे बेस्ट होगा। यह ऐसे प्रोफेशनल्स होते हैं जो मैथ्स के बुनियादी क्षेत्र का अध्ययन या रिसर्च संबंधी कार्य करते हैं। इसके अलावा ये लॉजिक, ट्रांसफार्मेशन, नंबर आदि समस्याओं का निर्धारण करते हैं। इस क्षेत्र में भी मैथ्स का ज्ञान होना बहुत जरूरी है तथा इस क्षेत्र में छात्र अच्छा मुकाम हासिल कर सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट आईटी टूल्स का उपयोग करते हुए किसी भी एंटरप्राइजेज को लक्ष्य पूरा करने में मदद पहुंचाते हैं। यदि आपको गणित का ज्ञान नहीं तो आप आगे नहीं बढ़ सकते और इसी के विपरीत यदि आपका गणित के प्रति रुझान है तो आप आसानी से अपने काम को पूरा कर सकते हैं। ज्यादातर सिस्टम एनालिस्ट अपना काम कम्प्यूटर और सॉफ्टवेयर के जरिए करते हैं तथा इसे ठीक तरह से समझने के लिए गणित पहली नींव है।

उत्साह और जुनून के साथ देशभक्ति वायु सेना में करियर

भारतीय वायु सेना में करियर बनाने के लिए ऊर्जावान, उत्साही युवाओं की हमेशा मांग रहती है। क्या आप इस प्रोफाइल में फिट बैठते हैं। एयर फोर्स, यानी वायु सेना में करियर को प्रतिष्ठित माना जाता है और युवाओं में यह खासा लोकप्रिय भी है। इस फील्ड में यदि आप करियर बनाते हैं, तो आपका नाता देश सेवा, नवीनतम टेक्नोलॉजी और उत्कृष्ट शारीरिक मानसिक कौशल से होगा।

भारतीय वायु सेना को ऐसे युवाओं की जरूरत है, जो ऊर्जावान हों, पैशनेट हों, उत्साही हों और जो अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हों। मगर ध्यान रहे, एयर फोर्स का हिस्सा होने में खासे परिश्रम की जरूरत होती है। इसकी चयन प्रक्रिया बहुत कड़ी है। इसमें प्रेक्टिकल टेस्ट, रिटन टेस्ट, फिजिकल तथा मेडिकल टेस्ट, सायकोलॉजिकल टेस्ट, इंटरव्यू, ग्रुप टास्क आदि शामिल होते हैं।

कैसे हों शामिल

भारतीय वायु सेना में शामिल होने के लिए आपको राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) की प्रवेश परीक्षा में बैठना होगा। यदि आपकी उम्र साढ़े 16 साल से 19 साल है, आप भारतीय नागरिक हैं और आपने फिजिक्स तथा मैथ्स विषयों के साथ 12वीं पास की है, तो आप इस परीक्षा में बैठ सकते हैं। चयन के बाद उम्मीदवारों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में 3 साल की गहन ट्रेनिंग दी जाती है। इसकी समाप्ति पर एयर फोर्स अकादमी में स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग होती है। ग्रेजुएट भी एयर फोर्स का हिस्सा बन सकते हैं। आरंभिक चयन के बाद शॉर्ट-लिस्ट किए गए उम्मीदवारों को एयर फोर्स ट्रेनिंग संस्थान में भेजा जाता है।

कौन-कौन सी ब्रांच

एयर फोर्स में करियर के अवसरों को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है : फ्लाइंग ब्रांच, टेक्निकल ब्रांच तथा ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच।

फ्लाइंग ब्रांच

इस ब्रांच में विभिन्न श्रेणियों के पायलटों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है। इस ब्रांच में आकर आपको उड़ान भरने के भरपूर मौके मिलेंगे। इसमें हैलिकॉप्टर पायलट, फाइटर पायलट तथा ट्रांसपोर्ट पायलट के रूप में ग्रेजुएट्स तथा पोस्ट ग्रेजुएट्स के लिए अनेक अवसर हैं। पायलट ट्रेनिंग हैदराबाद से 43 किलोमीटर दूर डंडीगल स्थित एयर फोर्स एकेडमी में दी जाती है। इस ब्रांच में शामिल होने के बाद आपको आपके डेजिग्जनेशन, ट्रेनिंग व अनुभव के आधार पर विभिन्न मिशनों का हिस्सा बनाया जाएगा।

टेक्निकल ब्रांच

एयर फोर्स की टेक्निकल ब्रांच अत्याधुनिक विमानों तथा शस्त्रों के सही संचालन को सुनिश्चित करती है। यह विमानों के मेंटेनेंस तथा सर्विसिंग और एयर फोर्स स्टेशन पर कम्युनिकेशन तथा सिग्नल से संबंधित कार्यों को करने के लिए क्रमश : मैकेनिकल तथा इलेक्ट्रॉनिक्स विभागों से एयरोनॉटिकल इंजीनियर्स को नियुक्त करती है।

ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच

यह ब्रांच मानव तथा अन्य संसाधनों का प्रबंधन कर वायु सेना का संचालन करती है। दरअसल यह एक ब्रांच न होकर इसमें अनेक ब्रांच समाहित हैं, जैसे : एडमिनिस्ट्रेशन ब्रांच, जिसके अधिकारी समस्त संसाधनों के कुशल प्रबंधन को सुनिश्चित करते हैं। इसके कुछ अधिकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोलर व फ्लाइट कंट्रोलर के रूप में भी काम करते हैं। इसी प्रकार अकाउंट्स ब्रांच में अकाउंट्स संबंधी तमाम काम किए जाते हैं। लॉजिस्टिक्स ब्रांच के अधिकारियों को कपड़ों से लेकर विमानों के पुर्जों तक तमाम तरह के सामान का प्रबंधन करना होता है। एजुकेशन ब्रांच के अधिकारी भविष्य के वायु सैनिकों को अच्छी से अच्छी शिक्षा तथा प्रशिक्षण सुनिश्चित करते हैं। मीटियॉरोलॉजी ब्रांच के अधिकारी उड़ान भर रहे पायलटों को गाइड कर उनकी उड़ान सुरक्षित करने में मदद करते हैं।

सनी देओल-बॉबी और अक्षय खन्ना के कमबैक पर फराह खान की टिप्पणी

फराह खान इन दिनों अपने कुकिंग व्लॉग्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में वे पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया से बात करती दिखीं। इस दौरान उन्होंने देओल भाई यानी सनी देओल और बॉबी देओल के इंडस्ट्री में दमदार कमबैक पर बात करते हुए दोनों की तारीफ की। इसके अलावा उन्होंने अक्षय खन्ना का भी जिक्र किया। फराह ने कहा कि यह चैलेंजिंग काम है।

नाकामी को बेकार मत जाने दो

दरअसल, व्लॉग के दौरान रणवीर ने फराह खान से कहा कि अक्षय खन्ना, सनी देओल और बॉबी देओल की जर्नी उन्हें बहुत इंस्पायर करती है। इस पर फराह खान ने भी रिएक्शन दिया। फराह खान ने कहा, 'यह बहुत अच्छा है। क्या कमाल की वापसी इनकी हुई है। वो बाहर होकर वापस आए हैं। यह तो और भी मुश्किल है। किसी ने कहा है, एक अच्छी नाकामी को कभी बेकार मत जाने दो। हमेशा उससे कुछ सीखो'।

सनी, बॉबी और अक्षय खन्ना का कमबैक

बता दें कि अक्षय खन्ना फिल्म 'छावा' और फिर 'धुरंधर' में अपने किरदारों को लेकर खूब सुर्खियों में रहे हैं। 'धुरंधर' में तो उन्होंने रहमान डकैत के किरदार में पूरी महफिल ही लूट ली। इसी तरह बॉबी देओल ने लंबे वक्त बाद फिल्म 'एनिमल' से दमदार वापसी की थी। इसके बाद वे आर्यन खान निर्देशित सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आए। वहीं, सनी देओल ने 'गदर 2' से वापसी की और 'बॉर्डर 2' में भी उनका भौकाल रहा। इसे लेकर ही फराह ने तीनों सितारों की तारीफ की।
'तीस मार खान' को लेकर कही ये बात
फराह खान ने इस दौरान अपनी फिल्म 'तीस मार खान' के बारे में भी बात की और बताया कि कैसे फिल्म को रिलीज के वर्षों बाद भी बहुत प्यार मिल रहा है। फराह ने इस बारे में बात करते हुए कहा, 'जब 'तीस मार खान' रिलीज हुई थी, तो मेरी तो बैंड ही बजा के रख दी थी। मैंने सोचा, मैं इतना गलत कैसे जा सकती हूं, क्योंकि मुझे तो बहुत फनी लगी थी। अब मुझे लगता है, वाह। अभी अक्षय खन्ना का फिर से आना हुआ है तो लोग मुझे यह कोट कर रहे हैं'।

'वाराणसी' फिल्म को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने किया बड़ा खुलासा

प्रियंका चोपड़ा ने ऐलान किया कि वे 'वाराणसी' फिल्म के साथ बॉलीवुड में वापसी कर रही हैं। यह फिल्म उनके करियर में लगभग 6-7 साल बाद पहली इंडियन फिल्म होगी। 'वाराणसी' फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं, जिन्हें दीपिका पादुकोण ने 'भारत के सबसे टैलेंटेड डायरेक्टर्स में से एक' बताया है। फिल्म में महेश बाबू लीड रोल में हैं और प्रियंका फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी।

क्यों हैरान हुए जिमी फैलन

प्रियंका ने शो पर बताया कि फिल्म की शूटिंग 14 महीने से चल रही है और अभी इसके अगले 6 महीने की शूटिंग बाकी है। शो के होस्ट जिमी फैलन भी इतने लंबे समय को सुनकर हैरान रह गए।

फिल्म देगी नेक्स्ट लेवल

एक्सपीरियंस फिल्म को आईमैक्स फॉर्मेट में शूट किया जा रहा है, जिससे यह बड़े स्क्रीन अनुभव के लिए तैयार की जा रही है। प्रियंका ने कहा, 'हां, हम इसे शूट कर रहे हैं, तो बड़े थिएटर्स में ये फिल्म शानदार अनुभव देगी।' प्रियंका ने शूटिंग अनुभव को एक एडवेंचर बताया और कहा कि वह फिल्म को लेकर बहुत एक्साइटेड हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि वाराणसी अप्रैल 2027 में रिलीज होगी।

'द ब्लफ' में नजर आई प्रियंका

प्रियंका फिलहाल फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आ रही हैं, जो 26 फरवरी को ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन, वेदांतेन नायडू भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

'भाई तेरा यार है' में लीड रोल निभाएंगे राघव जुयाल

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की शानदार सफलता के बाद राघव अब पहली बार बतौर लीड एक्टर किसी फिल्म का हिस्सा बनने जा रहे हैं। इससे पहले वे 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' और 'किल' फिल्म में काम कर चुके हैं।

वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, राघव फिल्म 'भाई तेरा यार है' में नजर आएंगे। इस हफ्ते फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू हुई है। पहले शूटिंग शेड्यूल को बीच में ही रोकना पड़ा था क्योंकि राघव का पैर टूट गया था। उस वक्त पूरी टीम को लंदन से वापस लौटना पड़ा था। अब राघव पूरी तरह ठीक हो चुके हैं और फिल्म की शूटिंग फिर से पटरी पर आ गई है। इस फिल्म का निर्देशन विवेक अग्रवाल कर रहे हैं, जो 'आई सी यू' के लिए जाने जाते हैं, जिसमें अर्जुन रामपाल नजर आए थे। राघव के लिए यह फिल्म खास है क्योंकि इससे पहले किल और 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में उन्होंने अहम भूमिकाएं निभाई थीं, लेकिन 'भाई तेरा यार है' में वह पहली बार लीड रोल में दिखाई देंगे।

'द व्हाइट लोटस' को ठुकराने की खबरों के बीच दीपिका का क्रिप्टिक पोस्ट

दीपिका पादुकोण इन दिनों एक हॉलीवुड प्रोजेक्ट को ठुकरा देने को लेकर सुर्खियों में हैं। दरअसल, बीते दिनों ऐसी खबरें आई कि दीपिका हॉलीवुड की पॉपुलर ब्लैक कॉमेडी सीरीज 'द व्हाइट लोटस' के चौथे सीजन में नजर आ सकती हैं। मगर, अब मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अभिनेत्री ने इसमें काम करने से इनकार कर दिया है। ऐसी खबरों के बीच दीपिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा किया है।
क्यों ठुकराया दीपिका ने ऑफर?
दीपिका पादुकोण भारतीय फिल्मों 'कल्कि 2' और 'स्पिरिट' से पहले ही कुछ कारणों से इनकार कर चुकी हैं। अब उन्होंने हॉलीवुड सीरीज से भी किनारा कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका ने 'द व्हाइट लोटस' सीरीज में काम करने से इसलिए मना कर दिया, क्योंकि वे अपने किरदार के लिए ऑडिशन नहीं देना चाहती थीं। वहीं, सीरीज के मेकर्स ऑडिशन लेना चाहते थे।

चुप रहना मुश्किल है

इस तरह की तमाम खबरों के बीच दीपिका पादुकोण ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसका सार यह है कि जब लोग शोर मचा रहे हों, आपको लेकर बातें हो रही हैं, तब चुप रहना चुन पाना मुश्किल होता है और यही असली ताकत है। दीपिका के पोस्ट में लिखा है, 'शांत रहना सबसे बड़ा फ्लेक्स है। कोई भी अपना आपा खो सकता है, तुरंत रिएक्ट कर सकता है। जोर से बात कर सकता है और शोर मचा सकता है। इसके लिए जीरो ताकत चाहिए। असली ताकत तब दिखती है जब अफरा-तफरी मच जाती है और आप झुकते नहीं हैं। जब ड्रामा आपको अपनी ओर खींचने की कोशिश करता है और आप जमीन पर टिके रहते हैं।

शांत रहना एक सुपरपावर है

आगे लिखा है, 'शांत रहना कमजोरी नहीं है, यह मास्टरी है। यह जानना है कि आपको कुछ भी साबित करने, सब कुछ समझाने या हर किसी पर रिएक्ट करने की जरूरत नहीं है। जब दूसरे लोग घबराकर एनर्जी खर्च करते हैं, तो आप चुपचाप, साफ और जान-बूझकर आगे बढ़ते हैं। शोर की आदी दुनिया में, शांत रहना एक जबर्दस्त सुपरपावर है'। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऑडिशन नहीं देने के फैसले के चलते दीपिका ने यह बड़ा प्रोजेक्ट ठुकरा दिया। साथ ही यह भी कहा गया है कि यह पहली बार नहीं है, जब दीपिका को इस सीरीज का ऑफर मिला हो। इससे पहले उन्हें तीसरे सीजन के दौरान भी ऑफर आया था।

ऋषभ शेट्टी ने 'जय हनुमान' की शूटिंग पर दी अपडेट

अभिनेता-निर्देशक ऋषभ शेट्टी अपनी पत्नी प्रगति शेट्टी के साथ कर्नाटक के रायचूर जिले में स्थित मंत्रालयम गए। दंपति ने गुरु राघवेंद्र स्वामी को समर्पित गुरु वैभवोत्सव में भाग लिया और क्षेत्र भर से आए श्रद्धालुओं के साथ उत्सव में शामिल हुए। उनका यह दौरा राघवेंद्र स्वामी के जन्मदिन के मौके पर हुआ। इस दौरान अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म 'जय हनुमान' को लेकर भी बात की।

अभी नहीं शुरू हुई 'जय हनुमान' की शूटिंग

इस दौरान ऋषभ शेट्टी राघवेंद्र स्वामी के वृंदावन के सामने बैठकर श्रद्धापूर्वक दर्शन करते हुए नजर आए। दर्शन के बाद मीडिया से बात करते हुए एक्टर ने कहा कि जब भी मैं मंत्रालयम आता हूं, मुझे मन की शांति मिलती है। रायरू के दर्शन होना मेरा सौभाग्य है। हम नियमित रूप से यहां आते रहते हैं। अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जय हनुमान' के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में मुहूर्त हुआ है। अभी शूटिंग शुरू होनी बाकी है। हम हनुमान जी पर एक शानदार फिल्म बना रहे हैं, जिसमें एक अच्छा संदेश है।

राघवेंद्र स्वामी पर फिल्म बना सकते हैं ऋषभ

अपने करियर के विकल्पों पर बात करते हुए ऋषभ शेट्टी ने कहा कि असल में, हम कलाकार हैं। अगर कोई निर्देशक कहानी सुनाता है और हमें किरदार पसंद आता है, तो हम उसे जरूर करेंगे। हर कलाकार अच्छे निर्माताओं के साथ ऐसे किरदार निभाने की उम्मीद रखता है। मंत्रालयम के रायरू यानी राघवेंद्र स्वामी पर आधारित फिल्म बनाने की संभावना के बारे में अभिनेता ने कहा कि मंत्रालयम के रायरू पर फिल्म बनाना आसान नहीं है, यह बहुत मुश्किल काम है। मैं अभी कुछ नहीं कह सकता, देखते हैं आगे क्या होता है।

ट्रेलर के बाद दर्शक फिल्म की भव्यता समझ पाएंगे

निर्देशक प्रशांत वर्मा द्वारा निर्देशित 'जय हनुमान' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फैंस इस फिल्म को लेकर काभी उत्साहित हैं। इस उत्साह पर ऋषभ शेट्टी ने कहा कि जब टीजर और ट्रेलर रिलीज होंगे, तब लोग इसकी भव्यता को समझ पाएंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शकों को यह फिल्म पसंद आएगी। ऋषभ शेट्टी को आखिरी बार 'कंतारा: चैप्टर 1' में देखा गया था, जो 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी।

भंसाली सर संग फिर काम करना है, शाहरुख खान के बगल में बैठना ही मेरा ऑस्कर

संजय लीला भंसाली की महत्वाकांक्षी वेब सीरीज 'हीरामंडी' के ताजदार आपको याद होंगे। एक्टर ताहा शाह बादुशा को इस किरदार ने खूब प्यार और नाम दिया। वह अपनी फिल्म 'पारो: द अनटोल्ड स्टोरी' ऑफ ब्राइड स्लेवरी को लेकर चर्चा में हैं, जो 98वें ऑस्कर अवॉर्ड के कंटेंशन सूची तक पहुंची। यह फिल्म खरीदी-बेची जाने वाली दुल्हनों की दुर्दशा को दिखाती है। हालांकि, ऑस्कर नॉमिनेशन में यह आगे नहीं बढ़ पाई, मगर ताहा का कहना है कि ऑस्कर में आगे पहुंचने से ज्यादा मायने इस फिल्म, इस विषय का लोगों तक पहुंचना है। बातचीत में ताहा बताते हैं शाहरुख खान को देखकर ही उन्हें एक्टर बनने का जुनून चढ़ा, फिर जब किंग खान की बगल में बैठने का मौका मिला, तो मानो जैसे उन्हें ऑस्कर मिल गया। अपनी फिल्म के बारे में वह कहते हैं, 'ब्राइड स्लेवरी यानी खरीदी गई गुलाम दुल्हनों की जिंदगी पर ना के बराबर फिल्में बनी हैं। जबकि, ऐसी करीब 7000 औरतें हैं, जिनका कोई वजूद ही नहीं है।'

ताहा शाह 'पारो' के बारे में आगे बताते हैं, 'ये औरतें अपनी उम्र से 30-35 साल बड़े आदमी के साथ ब्याह दी जाती हैं। कभी-कभी तो ये 10-15 बार बेची जाती हैं, पर इन्हें ना तो एक बीवी का हक मिलता है, ना इज्जत। आदमी का मन भर जाए तो वह उसे दोबारा बेच देता है। उस औरत, जिन्हें पारो बुलाया जाता है, उनका अपने घर, बच्चों, किसी चीज पर हक नहीं होता। हम चाहते हैं कि उन्हें वो हक और इज्जत मिले। इन औरतों को पहचान मिलना ही हमारी सबसे बड़ी कामयाबी होगी।'

शाहरुख खान को देखकर चढ़ा एक्टर बनने का जुनून

यूएई में पले-बढ़े ताहा शाह का हिंदी सिनेमा और एक्टिंग की ओर रुझान कैसे हुआ? यह पूछने पर वह बताते हैं, 'मेरी मम्मी जब यंग थीं तो एक्ट्रेस बनना चाहती थीं। उनको मौका भी मिला था, पर मेरी नानी ने मना कर दिया तो उनका सपना अधूरा रह गया। मां को फिल्मों का बहुत शौक था। वे फिल्में देखती थीं तो मैं भी देखता था। मगर एक्टिंग के बारे में नहीं सोचा था। फिर एक बार मैं वहां हो रहे अवॉर्ड शो में बहुत ही पीछे बैठा था। कुछ दिख नहीं रहा था, पर मजा आ रहा था, लेकिन तभी अचानक से लाइट्स बंद हुई और मेरे बिल्कुल पीछे क्रेन पर शाहरुख खान खड़े थे। हम सब खुशी से चीखने लगे थे। उस वक्त मेरे अंदर भी एक्टिंग का जुनून जगा। मेरी खुशनसीबी रही कि मुझे शाहरुख खान की उपस्थिति में, उनके बगल में बैठने का मौका मिला है। वही मेरा ऑस्कर है।'

भंसाली सर संग दोबारा काम करना है

साल 2011 में फिल्म 'लव का द एंड' से करियर शुरू करने वाले ताहा को 13 साल बाद संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' से पहचान मिली। वह कहते हैं, 'मैं संजय सर का जितना शुक्रिया करूं, वह कम है, क्योंकि मैं आज जहां पर भी हूं, उनकी वजह से हूं। उन्होंने मुझे इस काबिल समझा कि मुझे ताजदार का इतना अहम रोल निभाने को दिया। मैं उम्मीद करता हूं कि मैं उसके साथ न्याय किया हो और वह मुझे दोबारा अपने गाइडेंस में काम करने का मौका दें। मैं दोबारा उनके साथ काम करना चाहूंगा। संजय सर वो हीरा हैं, जिनकी चमक में रहकर हम भी बहुत कुछ सीख जाते हैं। एक बेहतर आर्टिस्ट, बेहतर क्रिएटिव इंसान बन जाते हैं।'

मेरे पास कोई प्लान बी नहीं, मेरी सफलता में मां का 80% योगदान

ताहा का सफर और सफलता की राह बड़ी लंबी रही है। जब उनसे पूछा गया कि इस लंबे इंतजार में वह कैसे डटे रहे? तो जवाब मिला, 'मैंने हार इसलिए नहीं मानी, क्योंकि मेरा कोई दूसरा प्लान बी कभी था ही नहीं। मैं बहुत क्रिएटिव किस्म का आदमी हूं। सिर्फ एक्टिंग में ही मुझे खुशी मिलती है तो डटे रहने के अलावा मेरे पास कोई विकल्प ही नहीं था। फिर, मेरी मम्मी कहती थीं कि जब मैं नहीं थक सकती तो तुम कैसे थक सकते हैं। मेरे इस सफर में मेरा योगदान 20 पर्सेंट है, उनका 80 पर्सेंट है। उनके बिना इस उतार-चढ़ाव भरे प्रफेशन में बिल्कुल सर्वाइव नहीं कर पाता।'

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in